Vol I
No 19

Thursday
26th March 1953

HYDERABAD LEGISLATIVE ASSEMBLY DEBATES

Official Report

CONTENTS

THE HYDERABAD LEGISLATIVE ASSEMBLY

Thu sla *✱* *He 26th la j of Ma ch* 1958

Tl o House mot at Tl ee of the Clock

[M Speaker n the Cha r]

Starred Questions and Answers

Mr Speal e Wo shall ı ow take up tl e quest ons

A DED SC OOLS

*208 (85) *Sh M Bu l al* (S pur) W ll the hon M n ster for I l cat on bo ı leased to state

(*a*) Tl e tot l nu nber of A ded M ddle Schools n the State?

(*b*) Tl total ecu r ng exı end ture ncurred on the A ded M ddle Scl ool at Bellampall ?

(*c*) Tl o total expend ture borne by Government and by the autho t es of the Coll e es respect vely ?

श्री देवीसिंग चव्हाण (शिक्षण मंत्री)

(ए) हैदराबाद स्टेट में जो अेडेड मिडिल स्कूल (A ded M ddle Schools) चलाये जाते हैं वह कुल ४६ हैं जिसमें से २९ लड़कों के लिये और १७ लड़कियों के लिये हैं

(बी) बल्लमपल्ली में जो अेडेड मिडल स्कूल है उसको हुकूमत की तरफ से ३१८८ रुपये की सालाना मिमदाद दी जाती है

(सी) जिसपर जो अखराजात होते हैं उसमें से ३६ रुपये हाली हुकूमत की तरफ से दिये जाते हैं और १५ रुपये माह की कॉलरीज के अथारिटीज (Authorit es) करते हैं

مسٹری ع هیا سوسائٹی سکو لس کا سے کس کے ہی ہے

श्री देवीसिंग चव्हाण —यह कम्पलीटली (Completely) पब्लिक की नॉमिनेटेड कमिटी (Nominated Comm ttee) होती है और उसके ही हाथ में जिसका मनेजमेंट (Management) होता है

مسری کو ال ژ کو ے گھاٹ) پلنا سکو لس کو گ سے منہ ماهی حاں
— نا مسیا ی نا مالا ؟

1

श्री देवीसिंग चव्हाण — जिस क्लिफिकेशन रखा थे उस समय पूरा लागू किया जाता है और बाद में तीन चार बार ग्रैंट दी जाती है।

سری کو فال راؤ اکو ےسے د آ لی ر اس ے واس ں د مذارس لو
سہ باهی گا اب وہ ہو ں ای ناں وہ گر ا ے اں لے ۂ مں وعر کی
ہوا وہ ہو دھای

श्री देवीसिंग चव्हाण —आजकल तो यही तरीका अख्तियार किया गया है कि ग्रैंट देने के पहले कुल के सालाना हिसाब देख जाते हैं।

سری ام ڈہا لیا ہار لی لڈل اسکول کے ارے ں آپ کے اس کوئی سکایت
وصول وی ہے

श्री देवीसिंग चव्हाण — गवर्नमेंट को शिकायत शिक्षा नहीं है।

FALSE CERTIFICATES

*209 (108) *Shri Ch. Venkatrama Rao (Karimnagar)*: Will the hon. Minister for Education be pleased to state

(a) Whether any trained matriculates or trained middle passed teachers are working in the Education Department with false certificates?

(b) Whether the cases of false certificates were brought to the notice of Inspector of Schools Karimnagar?

(c) If so, their number?

(d) What action the Government have taken in such cases?

श्री देवीसिंग चव्हाण

(ओ) गवर्नमेंट को जिसका कोई इल्म नहीं है।

(बी) हां लायी गयी थी।

ऐसे सिलसिले केसेस वसूल हुवे हैं। जिसका जवाब है कि आठ केसेस वसूल हुए हैं।

(डी) अनपर जो अॅक्शन लिया गया वह जिस प्रकार है। अनमसे पांच को काम पर से अलाहिदा कर दिया गया है अेक अबस्कॉन्ड (Abscond) हो गया है अुसकी केस पेंडिंग है दूसरा आदमी सिकलिव (Sick leave) लेकर गया है यह भी केस पेंडिंग है और आठवें को ससपेंड (Suspend) कर दिया गया है और अुसके बारेमें पूछताछ जारी है।

شری سی ام ونکٹ راما راؤ ۂ سکاس کب وصول ہوس اور ایکس
کب لیا گیا ؟

श्री देविसिंग चव्हाण —जिसके लिये तो अलग नोटीस की जरूरत है जिसके तफसिलात अभी हमारे पास नहीं है

سری می ایچ وینکٹ راماراؤ : اس سلسلہ میں شکایتیں وصول ہوئی ہیں تو
جھوٹے سرٹیفکیٹس کی سرائرسانی کے لیے آیا کوئی پروسیجر اختیار کیا گیا ؟

श्री देविसिंग चव्हाण —तरीका तो यही अख्तियार किया गया है कि झूट सर्टिफिकेट हो तो उसपर ऍक्शन लिया जाता है।

سری می ایچ وینکٹ راماراؤ : اس سلسلہ میں شکایتیں وصول ہوئی ہیں وہ دلیل
اور ثبوت کے طور پر پیش ہوئی ہیں تو آیا ان کی تحقیقات کرانے کے لیے آمر کوئی طریقہ
اختیار کیا ؟

श्री देविसिंग चव्हाण —आवश्ये ताकिमात मे जिसके लिये प्रोसीजर (Procedure) मौजूद है और उसके तहत ही ऍक्शन लिया जाता है।

سری کے ایل نرسمہا راؤ : (مالوم ہوا) کیا جھوٹے سرٹیفکیٹس میں جاری
کرنے کے لئے کا پتہ لگایا گیا ؟

श्री देविसिंग चव्हाण —मुझको तो जिसका इल्म नहीं है।

MEDIUM OF INSTRUCTION

*210 (807) *Shri Shriharı (Kınwat)*: Will the hon Minister for Education be pleased to state

(*a*) The number of schools in Adilabad district with Telugu Marathi and Hindusthani as medium of instruction ?

(*b*) The number of schools having both Hindusthani and any other regional languages as medium of instruction ?

श्री देविसिंग चव्हाण —(अ) और (बी) का जवाब टेबल पर रखा गया है किंतु मैं आपके जानकारीके लिये यहां पढ देता हूं।

[Statement

स्कूलों के प्रकार	भाषा माध्यम					
	तेलगू	मराठी	हिंदुस्थानी	तेलगू और हिंदुस्थानी	मराठी और हिंदुस्थानी	तेलगू मराठी हिंदुस्थानी
१	२	३	४	५	६	७
हायस्कूल				२		१
मिडल स्कूल	१	१		४		३
प्रायमरी स्कूल	१९९	५६	१	१८		१
स्पेशल स्कूल्स	७					
अक्सपरिमेंट स्कूल	१७	३३				
म्युनिसिपल बेसिक स्कूल्स	२२	१२				
कुल	२४६	१०५	१	२४		५

NUMBER OF VACANCIES

*911 (851) *Shri L K Shroff (Raichur)* Will the hon Minister for Education be pleased to state

(*a*) The number of vacancies of graduate teachers during 1952 58 ?

(*b*) The reasons for not filling the above vacancies so far ?

(*c*) Whether it is a fact that some graduates who were selected by the D P I in July last were not posted in spite of the vacanies ?

श्री देविसिंग चव्हाण —(ऐ) ऐसी वेकनसीज (Vacancies) की कुलकी तादाद १२४ थी।

(बी) और (सी) का जवाब यह है कि ९ वेकनसीज नहीं भरी गयी। जिसकी वजह यह थी कि उसमें से ९ कॅंडिडेट्स (Candidates) का सिलेक्शन जून १९५२ में किया गया था। लेकिन मुतालिक के सब्जेक्ट (Subject) वो न थे जिनसे ताल्लुक के लिये व वह भरती के लिये

जरूरी नहीं थे जिस लिए यु हे नहीं किया गया। बाकी मची ३ जगहों पर जिसलिए तकरूर नहीं किया गया क्योंकि थुसम से वो रिट्रेंच (Retrenched) लोगों के लिए रखी गयी थी और अब डिपार्टमेंट के मुर्वारसों में किये थी। जिसतरह जिनकी तफसील ह।

مسٹر ایس رنگی کے مارس میں محکمہ صاحب ڈی پی آئی نے ۱۱ سے ۱

श्री देशिंग चव्हाण —६ मुदरसीन व जिनका अपाॅइंटमेंट (Appointment) डी पी आय ने किया।

مسٹر ایس رنگی (کی لئے) تا انکے مساس ا ہے ہیں نه وه کسی مدرسه میں کام نہیں کرسکتے ہیں ۱

श्री देशिंग चव्हाण —मैंने तो अभी अज किया कि वो सबजक्ट पढान के लिए काहिल थे वो नहीं पढा सकते थे।

श्री अण्णासाहेबराव गव्हाण (परभणी) —क्या जिन तीन के लिए अडव्हरटाअिजमेंट (Advertisement) दिया गया था?

श्री देशिंग चव्हाण —जिसकी जरूरत नहीं थी।

Shri L K Shroff Is it the considered opinion of the Government that the retrenched personnel from the Customs Department and the Civil Services Department who have put in 15 or 20 years of service should be taken by the Education Department ?

श्री देशिंग चव्हाण —जिस तरह से य सवाल पूछा गया ह अुस तरह से अुसपर हुकूमतन गोर नहीं किया ह। तालिमात में अगर तकरूर नहीं हो सका तो दूसरे डिपाटमट म कोशिश की जाती है।

Shri L K Shroff The hon Minister has just now said that 2 retrenched personnel have been taken into the Education Department

श्री देशिंग चव्हाण —मेरे कहने का मतलब कस्टम डिपाटमट से ही जैसा नहीं था।

HEAD MISTRESS —A T B PATIENT

*212 (868) *Shri Vishwas Rao Patil (Parenda)* Will the hon Minister for Education be pleased to state

(*a*) Whether it is a fact that the Head Mistress of Government Girls Middle School of Osmanabad is suffering from T B ?

(*f*) Whether she is considered to be fit to discharge the duties of her post ?

श्री देविसिंग चव्हाण —(ए) जिसका जवाब नफी में है। कुंकी टी बी नहीं हुवा है।

(बी) सवाल ही पैदा नहीं होता।

سری وشواس راؤ شِلی ١١ ء صحیح ہے ڈ کہ وہی ٹی ہوگیا ہے ؟

श्री देविसिंग चव्हाण —यह सही नहीं है।

سری وسواس راؤ شلی کس ارع کی ر ای ہے ؟

श्री देविसिंग चव्हाण — रिपोर्ट की तारीख तो यहां मेरे पास नहीं है।

سری وشوس راؤ شلی ای ڈ ما ء کس نے کیا تھا ؟

श्री देविसिंग चव्हाण —गुलमानाबाद के सिविल सर्जन के पास भेजकर मायना किया गया। सिविल सर्जन ने मेडिकल रिपोर्ट में यह लिखा है कि मुझे टी बी नहीं हुवा है।

श्री वामनराव देशमुख (मोमिनाबाद जनरल) —क्या यह ठीक मिस्ट्रेस हैदराबाद आयी और जिसके बारे में मिनिस्टर साहब से मिलकर उनको आग्रह किया ?

श्री देविसिंग चव्हाण —यह सही नहीं है।

NON RECEIPT OF SALARIES

*218 (402) *Shri G Hanumanth Rao* (*Mulug*) Will the hon Minister for Education be pleased to state

(*a*) Whether it is a fact that the teachers of Andhra Vignana Vardhani Middle School Bachannapeta are not receiving their salaries regulary since October 1952 ?

(*b*) Whether any representation has been made in this regard ?

(*c*) What action has been taken thereon ?

श्री देविसिंग चव्हाण —(अ) और (बी) जिस स्कूल के शिक्षकों को सन १९५२ ऑक्टोबर से कोई भी सॅलरी (Salary) नहीं मिली है वसी कोई भी दरख्वास्त अक्यूकेशन डिपार्टमेंट के पास नहीं आयी है।

(सी) सवाल पैदा नहीं होता।

سری وی ڈی دیسپانڈے (۱۱ کا) کا اس سلسلہ میں یہ سکا ب آئی ہے کہ حکومت کی امد سے ہوگا (Grant) ہی ہے اوس ان سے مدرس کو پوری تنخوا دیکر پوری اکے وصول ہونے کی رسید لیجاتی ہے ؟

श्री देवीसिंग चव्हाण – असी कोसी कंपलंट (Complaint) वसूल नही हुवी है।

سری وی ڈی دیسانڈے کیا یہ صحیح ہے کہ مدرسوں کو اکوور سے عرضیاں ملی ہیں ؟

श्री देवीसिंग चव्हाण —असी कोसी शिकायत नही है।

سری وی ڈی دیسانڈے کیا اس ادارے کو حکومت کی طرف سے گرانٹ دیا جاتا ہے ؟

श्री देवीसिंग चव्हाण —हां दी जाती है।

شری وی ڈی دیسانڈے کیا یہ بلاک میں کے امر آی ہیں کہ و کس طرح خرچ کیا جاتا ہے ؟

श्री देवीसिंग चव्हाण जब यह ग्रंड दी जाती है तो पिछले साल के आडिटेड अकाउंट (Audited Account) मंगाय जाते है और वह हिसाब देखकर ग्रंट दी जाती है। ग्रंट जिस तरह खर्च की गयी जिसके तफसिलात गव्हर्नमंट के पास नही होते है।

مسٹر لسکمی بائی (ہاسواڑ) کیا اسکول کی کوئی مینجنگ کمیٹی ہے ؟

श्री देवीसिंग चव्हाण —होती तो है।

شری سی ہنمنت راؤ گرانٹ کب دیا جاتا ہے ؟

श्री देवीसिंग चव्हाण —जिसके लिए नोटिस दिया जाय।

شری سی ہنمنت راؤ کیا یہ کونسی (Question) آنے کے بعد مسٹر صاحب نے آپ کی کاپی کا کردکھا ہے ؟

श्री देवीसिंग चव्हाण —जिसकी जरूरत नही समझी गयी। यह सब काम डी पी आय देखते है।

श्री रंगराव देशमुख (परभणी) —जिस बिचारे के सेक्रटरी कौन है ?

श्री देवीसिंग चव्हाण —मुझको मालूम नहीं है।

شری رنگاراؤ دیسمکھ جو گرانٹ دیا جاتا ہے کیا ہر مہینے دیا جاتا ہے ؟

مسٹر اسپیکر انہوں نے جواب دیا ہے کہ سال میں ایک مرتبہ دیا جاتا ہے

NUMBER OF TEACHERS IN ADILABAD

*214 (804) *Shri Shrihari*: Will the hon Minister for Education be pleased to state

(*a*) The number of untrained and non matriculate teachers working in the schools of Adilabad district ?

(*f*) If so the reasons for employing unqualified personnel?

श्री देवीसिंग चव्हाण —आदिलाबाद में अनट्रेन्ड (Untrained) और नान मट्रिक की (Non matric) की तादाद किस प्रकार है।

ग्रेज्युअट	१४
अिंटर मिजियट	७
मट्रिक्युलेट	३७९
नान क्वालिफाअीड	१२९
मुन्शीस	४५
कुल	५७४

(सी) यह जो अनक्वालीफाअीड टीचर्स मदरसों में रखे गये हैं वे ज्यादा तर अेंजंस्यूरेस में रखे गये हैं जिसका वजह यह थी कि क्वालिफाअीड लोग नहीं मिलते थे। अब तो अनक्वाली फाअीड लोगों को किस डिपार्टमेंट में नही अपाअिंट किया जा रहा है।

شری سری ہری اب جو مرکولیس (Matriculates)کی طرف سے درخواستیں آ رہی ہیں کیا ان کو ملازمتیں دی جاتی ہیں ؟

श्री देवीसिंग चव्हाण —जैसे जैसे जगह (Vacancies) होती है वैसे नोकरियां मिलती।

سری سری ہری کیا نان کوالیفائڈ (Non Qualified) لوگوں کو جگہ دینے کے لوگوں کو نکالا نہیں جا سکتا ؟

श्री देवीसिंग चव्हाण —जिस तरह नहीं किया जाता है। अलबत्ता जो पुराने पुराने लोग नान क्वालिफाअीड हैं और तनख्वा लेकर जा रहे हैं अुनकी जगहों पर नये क्वालिफाअीड लोगों को लिया जा रहा है। जिनकी दस दस साल की सर्विस हुअी है अुनको नही निकाला जा सकता है।

BELLAVASTA PALACE

*215 (127) *Shri G Hanumanth Rao* Will the hon Minister for Finance be pleased to state

(*a*) The rent collected on Bellavasta Palace since the Police Action?

(*b*) The expenditure incurred on Bellavasta Palace since the Police Action?

The Minister for Finance and Statistics (Dr G S Melkote) —

(*a*) Nil.

(*b*) Rs 79 754

Shri Maqdum Mohiuddin (Huzurnagar) —Who lives in Bellavasta Palace ?

Dr G S Melkote The Prince of Berar

شری مخدوم محی الدین ۔ کیا اس کا کرایہ وصول ہوگا ؟

Dr G S Melkote Till 1951 no rent was collected We have decided to collect at Rs 3 500 a month including furni ture rent from 1951

شری مخدوم محی الدین ۔ جس طرح ایک طرف چھوٹے چھوٹے ملازمین کا الوٹ
کرایہ کٹ بند کر دیا گیا اور سی آئی بی کوارٹرس کا کرایہ ڈبل (Double)
کر دیا گیا اسی طرح کیا پرنس آف برار کے مکان کا کرایہ بھی ڈبل کیا جائے گا ؟

Dr G S Melkote This matter was under discussion then we have decided to collect We will certainly collect

شری مخدوم محی الدین ۔ میرا سوال یہ ہے کہ گورنمنٹ کی اس معاملہ میں کیا
پالیسی رہے گی جس طرح سی آئی بی کوارٹرس (C I B Quarters)
کا کرایہ ڈبل کر دیا گیا ہے اسی طرح پرنس آف برار کے مکان کا کرایہ بھی ڈبل کیا جائے گا
یا نہیں کیا جائے گا ؟

Dr G S Melkote This quetion does not arise I just now said that till 1951 no rent was collected It was only after the Democratic Government came to power that it decided to collect We want to collect it with retrospective effect at Rs 3 500 a month

شری مخدوم محی الدین ۔ لیکن اس سلسلہ میں پالیسی کیا ہے ؟

Dr G S Melkote Each case will be decided on its own merits

شری مخدوم محی الدین ۔ اس میں میرٹس (Merits) کا کوئی سوال
نہیں ہے ۔ میں یہ دریافت کرنا چاہتا ہوں کہ کیا پرنس آف برار کی حیثیت کرایہ دار کی
نہیں ہے ؟ اگر ہے تو جس طرح دوسرے کرایہ داروں کے ساتھ عمل کیا جاتا ہے کیا
ان کے ساتھ عمل کیا جائیگا یا نہیں ؟ اس میں میرٹس کا کیا سوال ہے ؟

چیف منسٹر (شری بی رام کشن راؤ) آنریبل ممبر سوال کو مخلوط کر رہے ہیں
سی آئی بی کوارٹرس (C.I.B Quarters) ان کو پرٹیکولر ہاؤز
(Particular House) جس میں پرنس آف برار کو رہنے کی اجازت دی گئی ہے ان دونوں

میں کری ا الو ی (Analogy) میں گر سنہ سال نمی سنہ ع تک
لاکسی کرانہ کے اون کو اس من رھیے کی اجارت دنگی مھی موده کو نسب ارم
(1 orm) ہو جانے کے بعد کرانہ وصول کرنے کی کوسس کی گی او اس
کوری ا کیم افکٹ (Retrospective effect) دیا جاتا ہے ع
ہے یہ حساب (۲) رو ہے وصول دے ط ہمہ دکیا گا ہے اس لیے ی آئی ی
کوارا من کے سوال کر اس مد ال میں لاکر کا انہ ادل دے کے معلق جو پوچھا جا رہا
ہے اوس کا کوئی علق بہیں ہوسکتا

شری مخدوم محی الدین ال معلق ہے یا غیر معلق اس کا جمعہ آ مل اسکو
فرمائیںگے مرال غیر معلق کہسا ہے ؟ جس طرح سے ی ی کوار من سرکاری ملکیت
ہے بلاو ہ بھی رکا ی لکے ہے جاہے اوس من ہ من ف رار رھیں یا رہ بکر
عمر رہے اگر رہ بکر عمر رہے وکرا ہ ادل کیا جاتا ہے لکن رمن آف رار کی کیا
بات ہے کہ اون کے ساتھ خاص سلوک کیا جاتا ہے ؟

شری ی رام کسن راؤ خاص سلوک ہی ہے کہ رات کرا ہ ما گا گیا ہے
(۲) رو یہ کرا ہ فکس (Fix) کرکے کرا ہ طلب کیا جا رہا ہے یہی
اس سلوک ہے

شری رین لال کو لیھہ (اوہ) اس ال من کی لپیسا کیا ہے ؟
سری ی رام کسن راؤ وس دہائے دو سو اب دوںگا
شری جی ھیمس راؤ ارٹ (ی) کا جواب ہیں ہاگا

Dr G S Melkote I have already said that the expenditure was Rs 79 754

Shri V D Deshpande Was it incurred after the Police Action ? I have got figures with me But that is much more than what the hon Minister has stated now

Dr G S Melkote Yes it was spent after the Police Action

شری وی ڈی دیشپانڈے اس عرصہ میں سومنگ پول (Swimming pool)
کی تیاری بلدے کے اخراجات بھی شامل ھیں

Dr G S Melkote For the upkeep of Bellavasta Palace there is an annual grant of Rs 32 500 There are certain allied buildings attached to the Palace That is also under the maintenance of the Government During October, 1949 to March 1950 we have spent 10 thousand rupees on the upkeep of the Palace and Rs 2 810 on the allied buildings

in 1950 51 we spent Rs 21 710 on the Palace and Rs 2 084 on the allied buildings in 1951 52 we spent Rs 29 121 on the Palace and on the allied buildings Rs 1 840 In 1952 53 we spent Rs 10 043 on the palace and Rs 1 611 on the allied buildings Thus the total comes to Rs 79 754 All this come within the sum allotted for maintenance *viz* Rs 82 500 per annum

شری وی ڈی دیسائی ۔ علاوہ اس کے جو بلڈنگس جڑے ہوئے ہیں اون پر کتنا صرف کیا گیا اور اب یہ بلڈنگس کس کے قبضہ میں ہیں ؟

Dr G S Melkote I have just now given the amounts spent on the attached buildings of Bellavista Palace

سری اماس راؤ گوڑے ۔ جو حصہ کرایہ پر دیا گیا اوس کے مد میں جو کرایہ وصول کیا جا رہا ہے وہ اوس کے متعلق کیا حکومت یہ سمجھتی ہے کہ وہ کافی ہے ؟

Dr G S Melkote Certainly

سری اماداس راؤ (یادگیر جنرل) کیا آرٹس ... حضور نگر سے بھی کرایہ لیا جاتا ہے ؟

Mr Speaker How does this question arise?

شری مخدوم محی الدین ۔ خاکسار کا کوئی گھر ہی نہیں (Laughter)

DALITH JATHIYA CONFERENCE

*216 (406) *Shri M Buchiah* Will the hon Minister for Finance be pleased to state

(*a*) Whether the Government has contributed any amount to Social Service Department for the Dalith Jathiya Conference held at Hyderabad during January 1958?

(*b*) If so, what is the total amount?

Dr G S Melkote (*a*) Yes

(*b*) Rs 10 000

Mr Speaker Let us proceed to the next question

INDUSTRIAL TRUST FUND

*217 (407) *Shri Gopal Rao Ekbote* (*Chadarghat*) Will the hon Minister for Finance be pleased to state

(*a*) The total amount under the Industrial Trust Fund?

(*b*) The amount of loans advanced so far ?

(*c*) The names of persons or concerns to whom loans have been advanced ?

(*d*) The amount of loan advanced to Nirmal Toys ?

(*e*) The amount Mrs Hydari is drawing from the account of Nirmal Toyes and why ?

Dr G S Melkote This question has been referred to me by mistake The concerned Minister will answer it

वाणिज्य उद्योग तथा श्रम विभाग मन्त्री (श्री विनायकराव विद्यालंकार) —

(ओ) ब्रिंडस्ट्रियल ट्रुस्ट फंड १ लाख रुपय हाली से १९५२ शुरू किया गया। और और सिंटरेस्ट लोन और प्रोसस वि हुअट मनजिंग अजन्सी कमिशन यह सब मिलाकर १ अप्रिल १९५२ को कुल रकम ५ १ ४६ ५९५ रुपय हुवी थी।

(बी) अब तक जो लोन्स (Loans) दिये गय वह हाली में १ ७२ ६१ ७५ रुपय और कल्दार में ६३ ८७ रुपय दिय गये।

(सी) ये लोन्स जिन जिन को दिये गये उनकी लिस्ट पश देता हूं। लेकिन उससे पहले निर्मल ट्वायज इंडस्ट्रीज के बारे म जो खास सवाल पूछा गया है उसका जवाब देता हू। निर्मल टॉयज इंडस्ट्रीज (Nirmal Toys Industries) के लिये बिना सूद १ करोड़ रुपय मंजूर किय है और उसम से अबतक २ हजार रुपये दिये गये हैं। बाकी रकम जरूरत के मुताबिक दी जायगी।

(डी) मिसेस हैदरी को माहवार २५ रुपये तनख्वाह दी जाती है और १ मोटर अलाउन्स दिया जाता है।

(ई) अब म लिस्ट पेश देता हूं।

Statement showing the position of loans to Industrial Concerns as on 31 12 1952

Srl No	Name of the Company	Amount of loan advanced			Balance		
1	Bio chemical & Synthetic Products Ltd	O S Rs 8 00 000	0	0	8 00 000	0	0
	do	1 84 000	0	0	1 84 000	0	0
2	Deccan Porcelain & Potteries Ltd	2 70 0 0	0	0	2 70 000	0	0
	do	18 000	0	0	18 000	0	0
3	Fine Hosiery Mills Ltd	8 07 104	12	0	8 70 878	0	4
4	Hyd Oil & Paint Co Ltd	75 000	0	0	75 000	0	0
5	Hyd Tanneries Ltd	5 00 000	0	0	5 00 000	0	0
6	Hyd Vegetable Pro Ltd	I G Rs 10 00 000	0	0	10 00 000	0	0

	Hy I Vegetable pro Ltd	I G Rs	5 00 000	0	0	5 00 000	0	0
७	NI S ga Fact ry Ltd	O S R	8 18 9 2	4	0	2 8 2 3	14	0
8	I raga Tools Co po tion Ltd	I G Rs	5 00 000	0	0	2 75 000	0	0
	do		10 00 000	0	0	10 00 000	0	0
	do		1 80 000	0	0	1 80 000	0	0
9	Taj Clay W I Ltd	O S Rs	60 000	0	0	5 000	0	0
10	Taj Glass Work Ltd		2 00 000	0	0	2 00 000	0	0
	do		5 00 000	0	0	2 00 000	0	0
	do		5 00 000	0	0	5 00 000	0	0
	do		5 17 000	0	0	5 7 000	0	0
11	Vij y Cardboard Co Ltd		48 000	0	0	48 000	0	0
12	S P Oil Cloth & All Products Ltd		2 00 000	0	0	2 00 000	0	0
13	Sirpur Paper Mills Ltd		110 00 000	0	0	110 00 00	0	0
14	Hy I La bill rol ola Ltd		1 70 000	0	0	1 80 000	0	0
15	Hy I Asbestos Co no t P Ltd		5 00 000	0	0	5 00 000	0	0
		O S Rs	158 17 748	9	9	180 02 161 25		1
		I G Rs	81 80 000	0	0	90 55 000	0	0

سری گوپال راؤ ایکولے کیا ان میں سے کمپنیاں ہیں کہ جن کو امداد دی گئی ہے کہ وہ کام نہیں کر رہی ہیں ؟

श्री विनायकराव विद्यालंकार —जिसमें कुछ कम्पनीज काम कर रही है और कुछ नहीं कर रही हैं। मसलन सिरपुर पेपर मिल्स में काम हो रहा है असबस्टास और सिमेंट प्राडक्ट में काम हो रहा है। हैदराबाद कैमिकल लिमिटेड में काम नहीं हो रहा है। उनको २ लाख रुपये लोन के तौर पर दिये गये हैं। उम्मीद कि कम साल के अन्दर जिसका काम शुरू हो जायगा। फार्मास्यूटिकल लिमिटेड प्रोडक्ट्स की फैक्ट्री बन गई। जिसको पास मशीनरी अच्छी है। इम्पीरियल सिन्डीको सदृश गवर्नमेंट से सकफ़ीशियल आर्डर मिला है। मुमकिन है कि जिसका काम ४ ५ महीनों में शुरू हो जायेगा फाउंडेशन होजियरी बन है प्रागा वस्त्र तो बहुत अच्छी तरह काम कर रहा है। पहले तो सिर्फ छोटे छोटे अवज़ार बनाने के लिये छ क लिया गया था। लेकिन अब तो बड़ी मशीनरी बनाने का काम भी शुरू कर दिया गया है। अभी हाल ही में एक बोरिंग मशीन और मिलिंग मशीन भी बनवाया गया है और बहुत अच्छा तरह से काम चल रहा है।

سری گوپال راؤ ایکولے - کمپنیاں کام نہیں کر رہی ہیں ان کے لونس کی واپسی کا مطالبہ کیا جا رہا ہے ؟

श्री विनायकराव विद्यालंकार जिन कम्पनीज को लोन दिया गया है उनकी प्रापर्टी (Property) उस लोन से ज्यादा है यह लोन उनकी प्रापर्टी में से वसूल हो सकता है डूबने का डर नहीं है

سری گوپال راؤ ایکبوٹے کیا گورنمنٹ کی نگرانی رہتی ہے کہ ان کو جو روپیہ دیا جاتا ہے وہ اسی کام کے لئے استعمال ہوتا ہے جس کے لئے دیا جاتا ہے ؟

श्री विनायकराव विद्यालंकार —उनपर बराबर निगरानी रहती है कोई खास निगरानी नहीं रहती है

श्री रतनलाल कोठेचा —निजाम इंडस्ट्रीज को (I I T) में से कैसे लोन दिया गया।

श्री विनायकराव विद्यालंकार —यह जो लोन निजाम शुगर फैक्टरी को दिया गया है वह खास तौर पर दिया गया है कोआपरेटिव्ह पर नहीं दिया गया है।

श्री रतनलाल कोठेचा —अगर कोआपरेटिव्ह सोसायटीज पर फाइनेन्स इंडस्ट्रीज कोली जायें तो क्या उनको लोन मिलेगा ?

श्री विनायकराव विद्यालंकारर —आज तो आपही एक कोऑपरेटिव्ह को मदद देने के लिये नहीं बल्कि मेजर इंडस्ट्रीज को मदद देने के लिए बनाया गया है

कोऑपरेटिव्ह को जिसमें से लिमदाद नहीं दी जाती है कोआपरेटिव्ह को दूसरी तरह इमदाद दी जाती है। लेकिन अभी अभी बड़ी इंडस्ट्रीज को इमदाद देने के लिये एक फायनान्शियल कारपोरेशन (Financing Corporation) तयार किया गया है। जिससे अब आयंदा कम काम रहेगा तो अब जिससे कोऑपरेटिव्ह को इमदाद मिलने के बारे में सोचा जा सकता है

سری کشن راؤ واگھمارے (گلبرگہ شمالی) کیا (۲) لاکھ کا قرض منظور کیا گیا ہے اس کو کتنے مہینے ہو گئے ؟

श्री विनायकराव विद्यालंकार —तीन चार महिने होगये मुनासिब काम मंजूर हुआ है लेकिन अभि तक दिया नहीं गया है

سری کشن راؤ واگھمارے میں یہ جاننا چاہتا ہوں کہ یہ رقم دینے کا کیا مقصد ہوا ؟

श्री विनायकराव विद्यालंकार —यह रकम उन के पास है या उनकी कीमत का माल उनके पास है।

سری سید حسن (حیدرآباد شہر) حیدرآباد لیبرز کو کیا قرض دیا گیا تھا اور کبھی تم دیکھی ؟

—

श्री विनायकराव विद्यालंकार :—पिछले सात लाख रुपये मंजूर किये गये हैं और तीन लाख रुपये दिये गये हैं।

سرکاری ھنسب راؤ ۔ کیر شدہ ہوئی ہیں ان میں نا ہوتا ۔
ہو گے کیا آ مل مسمر من سے وصف ہیں ؟

श्री विनायकराव विद्यालंकार :—फरनीचर के बारे में तो मुझको मालूम नहीं है अलबत्ता जिनके पास जो मसवानरी है वह बहुत अच्छी है

*218 (408) *Shri Gopal Rao Ekbote* Will the hon Minister for Commerce & Industries be pleased to state

(*a*) Whether any report regarding the Industrial Trust Fund has been published ?

(*b*) Whether the same has been made available to the public ?

(*c*) If not for what reasons ?

श्री विनायकराव विद्यालंकार (ए) जनरल ऍडमिनिस्ट्रेशन के साथ यह रिपोर्ट रहती है और (बी) पब्लिक उसको देख सकती है (सी) यह सवाल पैदा नहीं होता

श्री गोपालराव एकबोटे :—जनरल एडमिनिस्ट्रेशन के रिपोर्ट के साथ आई टी एफ का जो हिस्सा छपा हुआ रहता है उसकी सिर्फ क्या आनरेबल मेंबरों को मिल सकता है

श्री विनायकराव विद्यालंकार :—अगले साल से मैं इस पर गौर करूंगा

Advisory Committee of Industrial Trust Fund

*219 (409) *Shri Gopal Rao Ekbote* Will the hon Minister for Finance be pleased to state

(*a*) The names of the Members on the Advisory Committee of the Industrial Trust Fund ?

(*b*) The number of meetings held during 1952 ?

(*c*) The number of cases in which the advice was accepted ?

श्री विनायकराव विद्यालंकार :—

(ए) आई टी एफ का काम चलाने के लिये ट्रस्टीज (Trustees) हैं जिनमें कॉमर्स फाइनान्स और पी डब्लू डी के तीन मिनिस्टर तथा फाइनान्स और कामर्स डिपार्टमेंट के दो सेक्रेटरीज हैं जिसके अलावा एक लेबर ऑफिसर बोर्ड है जिसमें चेम्बर ऑफ कॉमर्स की सिफारिश पर चार मेंबर लिये गये हैं जिनके नाम हैं—राजा पन्नालाल पित्ती सेठ लक्ष्मीचन्द करवानी श्री के न्ही श्रीकंठराव और श्री के डी मित्तलिया।

(बी) जैसा मैं ने कहा १९५२ में कोयी मेजर स्कीम (Major Scheme) नहीं ली गयी थी लेकिन सिर्फ पुरानी भिन्डस्ट्रीज को लोन दिया गया था भुसी की तरफ ज्यादा ख्याल रहा। भेक नयी स्कीम निकली थी कि फायनान्स कारपोरेशन निकाला जाय लेकिन कोयी बड़ी दरख्वास्त भुसमें भी नहीं आयी। भिसीकी तरफ ज्यादा ख्याल रहा और भिस लिये कोयी मीटिंग नहीं बुलायी गयी।

(सी) यह सवाल पैदा नहीं होता।

شری وی ڈی دشپانڈے ... کہ ... والی ہے ؟

श्री विनायकराव विद्यालंकार — फायनान्स कारपस (Finance Corpus) को गवर्नमेंट ५ लाख रुपये देगी और ५ लाख दूसरों की तरफ से जमा होंगे। भुसका कारपस (Corpus) यह होता है कि जो लोग बैंक वाले हैं और जो सक्षम हैं वे अंसम रहेंगे। भिस फंड को जो दूसरी अक्टीविटीज (Activities) हैं जैसे भिन्न स्कीम हैं या गैस प्लांट (Gas plant) की स्कीम हैं भुसको चलाया जाय यह भी गवर्नमेंट का ख्याल है। अभी अके मेंबर ने सवाल किया था कि कोआपरेटिव भिन्डस्ट्रीज (Co operative Industries) को भिसमें से कुछ हिस्सा मिल सकता है या नहीं तो भिसकी कान्स्टीट्यूशन में थोड़ा बदल करके कुछ हिस्सा भिसमें से देने पर विचार किया जायगा।

شری ملنا کولور (سورا پور) ... کے ... ؟

श्री विनायकराव विद्यालंकार —अक्सर बैंकर भिन्डस्ट्रियलिस्ट्स (Industrialists) होते हैं और भिन्डस्ट्रियलिस्ट्स बैंकर होते हैं। श्री मित्ती बैंकर तो हैं ही लेकिन भिन्डस्ट्रियलिस्ट भी हैं। श्री छत्कानी भिन्डस्ट्रियलिस्ट हैं लेकिन बैंकर भी कहे जा सकते हैं। श्री ...राव के बारे में वाकिफ नहीं हूं। और श्री ... तो बैंकर नहीं हैं लेकिन भिन्डस्ट्रियलिस्ट हैं।

شری وی ڈی دشپانڈے ... ہوں کہ ... ہے ؟

Mr Speaker —It is a matter of opinion

DELAY IN PAYMENT

*220 (808) *Shri Shrihari* Will the hon Minister for Rural Reconstruction be pleased to state

(*a*) Whether he is aware that the grain merchants in Adilabad market do not pay the Adtidars for the day of the bidding but they have to wait for a week or two for the payment ?

(*b*) If so whether the Government will take steps for ensuring the speedy payment ?

श्री वेंकीसिंग बख्तान (अ) गवर्नर के पास ऐसी कोयी शिकायत अब तक नहीं आयी

(बी) यह सवाल पैदा नहीं होता

سری سری ھری کے سی ما ے ہی کے س کا ب آی ہے د ری وں کو
ام اس کی ہیں ملی ہے ؟

श्री वेंकीसिंग बख्तान मैं बताया कि ऐसी कोयी शिकायत हमारे पास नहीं आयी है।

شری کے ونکٹ رام راؤ (مدکر لو) د مر ل ہ ں س د
کے گلے کی کوس ن کی گی ہے ؟

श्री वेंकीसिंग बख्तान —दर्याफ्त करने में बाद ही मालूम हुआ है कि कोयी शिकायत वसूल नहीं हुयी।

ELECTIONS TO T A C A

*221 (897) *Shri K Venkiah (Madhira)* Will the hon Minister for Rural Reconstruction be pleased to state

(a) Whether the Government propose to hold elections to T A C A of Madhira Warangal district at Kallur instead of at Madhira in spite of the representations made by the share holders to the President and the Registrar against the above proposal ?

(b) If so whether Government will pass orders to the President to hold elections at Madhira ?

श्री वेंकीसिंग बख्तान —(अ) चूं कि और भी दूसरी कोआपरेटिव्ह सोसायटियों के मेंबरों को चुन हुये सर्विस कमेटी में मुन्तखिब किया है और जिसके इन्तखाबात बाकायदा होने के लिए कल्स बने हुये हैं उसके मुताबिक भी मधिरा की कोआपरेटिव सोसायटी के इन्तेखाबात हुए हैं इसमें हुकूमत को मदाखिलत की जरूरत नहीं है। वक्त आता है तब वे इन्तेखाबात कर लेते हैं।

(बी) सवाल पैदा नहीं होता

سری کے اول ومسیوں راؤ (ب) معلد سر ہ د (Share Holders)
یہ ہ مے حں ا کا الکسں ملد مں کے ہ ی اسکا بہ ن کو کلو س کہ س
رکھے کی کیا وجہ ہے ؟

श्री वेंकीसिंग बख्तान —मुलाम करने के लिए डिपार्टमेंट की तरफ से पहले ही कानून मुकर्रर जारी किया गया है वहाँ इलेक्शन क्यों नहीं हुआ जिसके बारे में कोयी शिकायत वसूल नहीं हुयी है।

سری وری ڈی دسپانڈے سوال [illegible]
[illegible]

श्री बेंकीसिंग चव्हाण —यह सवाल तो मुस बाडी (Body) से तालुक रखता है।

MARKET COMMITTEE OF PURNA

*222 (154) *Shri Bhagwan Rao Boralkar* (Basmath General) Will the hon Minister for Rural Reconstruction be pleased to state

(a) The number of meetings held by the Market Committee of Purna in Parbhani district during 1952-53 ?

(b) Whether it is a fact that complaints against some merchants have not been looked into for the last three months?

(c) If so what action do the Government intend taking in the matter ?

(d) Whether the Chairman of Purna Market Committee attends every meeting in time ?

श्री बेंकीसिंग चव्हाण —

(अ) पूर्णा मार्केट कमेटी की कुल ९ मीटिंग्ज हुवीं।

(बी) और (सी) कुछ शिकायतें जिसके बारे में आयी थीं। उसमें से ओक यह थी कि किसी ओक दुकान के सामने बीडिंग (Bidding) होता है। उसको सब कार के मार्केट आफिस के सामने बीडिंग (Bidding) करने के लिये हुक्म दिये गये थे।

(डी) कुछ अैसी भी शिकायतें मसूल हुवी हैं कि वहां के चेअरमन वक्त पर नहीं आये इसलिये कुछ मीटिंग्ज नहीं हो सकीं।

GRAIN BANKS

*223 (456) *Shri Bhagwan Rao Boralkar* Will the hon Minister for Rural Reconstruction be pleased to state

(a) The number of grain banks in Basmath and Parbhani taluqs of Parbhani district ?

(b) The total quantity of grain stored in the godowns of aforesaid banks during the early period of the year ?

(c) Whether any illegal use of the stock by some persons was detected ?

(d) If so the names of the persons and the action taken against them ?

श्री धर्मसिंग बसवराज — (अ) बस्मत ताल्लुके में ४३ ग्राम बस्ते हैं और परभनी में ७४ हैं।

(बी) बस्मत ताल्लुके में ५९१ प के और परभनी ताल्लुके में १७२ पल्ले अनाज है।

(सी) स्टाक्स (Stocks) मिसयूज (Misuse) होने के बारे में कोई भी शिकायत नहीं आयी।

(डी) यह सवाल पैदा नहीं होता।

PALM GUR SCHEME

*224 (201) *Shri M Buchiah* Will the hon Minister for Commerce and Industries be pleased to state

(*a*) The purpose of Palm Gur Scheme?

(*b*) The number of Palm gur Centres opened by the State Government under this scheme and what are their achievements so far?

(*c*) The expenditure incurred so far and the strength of staff working under this scheme?

श्री विनायकराव विद्यालंकार —

(ए) जब ताड़ी बंद करना जरूरी थी तब यह सोचा गया था कि पाम के रस से गुड़ निकालने वालों को फायदा होगा और यही सोच कर इन दिनों यह स्कीम निकाली गयी थी।

(बी) तीन सेंटर्स हैं। सर्नोल, निजामाबाद और पलवंचा। इन तीन जगहों पर सेंटर्स हैं। अब तक ७५ आदमियों को पाम के रस से किस तरह बनाया जाता है इसका ट्रेनिंग दिया गया है। और कुछ लोगों ने इसका काम भी शुरू किया है। लेकिन अफसोस है कि बहुत से लोग इस धंधे को छोड़कर अपने पुराने ताड़ी निकालने के धंधे में फिर से लग गये हैं।

(सी) इस स्कीम में गवर्नमेंट का ७१२९ रुपया खर्च हुआ है जिसमें से आधा खर्च केंद्रीय सरकार का है और आधा हमारा है।

(डी) हैदराबाद में कुल १२ लोग काम कर रहे हैं। इनकी तनख्वाह का खर्च इस तरह से है।

	संख्या	ग्रेड
१ पाम गुड़ आर्गनाइजर	१	१७ ६६
२ इंस्ट्रक्टर्स	६	७५ १ ५
३ ड्राफ्टिंग इंस्ट्रक्टर	१	७५ १ ५
४ टाइपिस्ट	१	६५ १५५
५ चपरासी	१	२५ ३
६ कामगार	१	२५ ३

श्री अम सुब्बय्या —अिस स्कीम के तहत कितना गुड़ तयार किया गया है ?

श्री विनायकराव विद्यालंकार —अिसकी जानकारी तो अभी मैं नहीं दे सकता।

श्री अम सुब्बय्या —क्या यह फायदेमन्द साबित हुआ है ?

श्री विनायकराव विद्यालंकार —अभी तो यह स्कीम ऐक्स्पेरिमेंटल स्टेज में है। आपको मालूम होगा कि दो साल पहले शक्कर की स्केअरसिटी (Scarcity) सारे हिंदुस्तान में मालूम हो रही थी। अुस वक्त यह चीज निकली कि अिससे फायदा अुठाया जाय। लेकिन आज जिस तरह से शक्कर की कीमत कम होती जा रही है वसी होती रही तो मुझे भी ख़तरा मालूम होता है कि यह फायदेमन्द साबित होगी या नहीं। दूसरी चीज यह है कि मद्रास और बम्बई में ताड़ी बन्द हो गयी। और कहीं यहां पर भी कभी बन्द हो जाय तो यह स्कीम अुस वक्त काम आ सकती है कि जो लोग अिसमें लगे हुये हैं अुनको कोई न कोई रोजगारी दी जा सके। ये दो तीन चीजें हैं जिनके तहत यह स्कीम निकाली गयी। लेकिन आज यह यकीन के साथ नहीं कहा जा सकता कि यह फायदेमन्द साबित हुई है या नहीं। यह अभी ऐक्स्पेरीमेंट (Experiment) के स्टेज (Stage) में है। बहुत लोगों का ख्याल है कि ताड़गुड़ टॉफी जसी चीजों के बनाने में दूसरे गुड़ से ज्यादा कारामद है। और अिस धंधे में अगर अिसका अुपयोग किया जाय तो यह अिंडस्ट्री फायदेमन्द हो सकती है।

श्री अम सुब्बय्या —यह स्कीम आफिशियल्स चलायी जा रही है या नानआफिशियल्स ?

श्री विनायकराव विद्यालंकार —आफिशियल्स चलायी जा रही है।

श्री अनंत रेड्डी — ताड़ गुड़ और गन्ने के गुड़ को तैयार करने के लिये आप प्रोसेस में कितना फर्क पड़ता है अिसको क्या वर्क आउट (Work out) किया गया है ?

श्री विनायकराव विद्यालंकार —अिसको तो वर्क आउट नहीं किया गया है। गन्ने की शक्कर निकालने के जो पुराने तरीके थे अुनमें काफी नये अिजाफात हो गये हैं। अिसमें भी अगर अुसी तरह से नये अिजाफात हुए तो यह भी सस्ती हो सकती है। लेकिन फिलहाल यह चीज सस्ती नहीं है।

श्री अम् सुब्बय्या —क्या सेंदी का ॲनालिसिस (Analysis) क्या गया है अससे और कोई चीज पैदा करने की कोशिश की गयी है ?

श्री विनायकराव विद्यालंकार —अिस वक्त नहीं की गयी है। लेकिन मुझे मालूमात है कि सेंदी से आल्कोहल निकालने की कोशिश की जा रही है। यह हमारे यहां नहीं लेकिन मैसूर में ऐक्स्पेरीमेंट हो रहा है।

श्री अम् सुब्बय्या —क्या मिनिस्टर साहब जानते हैं कि सेंदी से पेनीसिलीन तयार किया जा सकता है ?

Mr Speaker Let us proceed to the next question Shri K Venkiah

Inspection of Warangal District

*225 (447) *Shri K Venkiah* Will the hon Minister for Commerce and Industries be pleased to state

(*a*) Whether the Inspector of Warangal district visited Madhira taluq during 1952?

(*b*) If so the names of the villages he visited?

(*c*) The number of cases of keeping fake weights and measures detected by him and the punishment awarded to the defaulters?

श्री विनायकराव विद्यालंकार —

(अ) सब जगह दौरा करने की अुनकी ड्यूटी है और अुनका यह काम है कि सालभर में दो दफा तालुके में अपर अुनका दौरा होना चाहिये। मधिरे के जिन्स्पेक्टर ने १९५२ के साल में दो दफा दौरा किया है अक जून के माह में और दूसरा अक्तूबर में।

(बी) जिसके सिवा मुकपल्ली और गरेपल्ली का दौरा किया है।

(सी) यह पहला दौरा था। अब तक हमारी पालिसी यह है कि शुरू में ही केसेस नहीं की जाती पहले लोगों को आगाह करते हैं। अुसके बाद गुनाह किया जाय तो अुसके बारे में मेजस (Measures) लेते हैं। अुनको स्टम्प (Stamp) करते हैं और बाद में केसेस करते हैं। जिस लिये मधिरा में अब तक कोअी केसेस नहीं हुअी है।

Further demands for Grants

Shri B Ramakrishna Rao Mr Speaker Sir I beg to move

That a sum not exceeding Rs 8 48 000 under Demand No 58 Miscellaneous be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1954 The Demand has the recommendation of the Rajpramukh

Mr Speaker Motion moved

That a sum not exceeding Rs 8 48 000 under Demand No 58 Miscellaneous be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1954 The Demand has the recommendation of the Rajpramukh

Shri B Ramakrishna Rao Sir I beg to move

That a sum not exceeding Rs 1 18 28 000 under Demand No 58 Miscellaneous be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March, 1954 The Demand has the recommendation of the Rajpramukh

Mr Speaker Motion moved

That a sum not exceeding Rs 1 18 28 000 under Demand No 58 Miscellaneous be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1954 The Demand has the recommendation of the Rajpramukh

Shri B Ramakrishna Rao Sir I beg to move

That a sum not exceeding Rs 42 86 000 under Demand No 58 Miscellaneous be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1954 The Demand has the recommendation of the Rajpramukh

Mr Speaker The Motion moved

That a sum not exceeding Rs 42 86 000 under Demand No 58 Miscellaneous be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1954 The Demand has the recommendation of the Rajpramukh

Mr Speaker These demands will be taken up for discussion on the 30th Members can table cut motions if any by the 28th

Supplementary Demands for Grants

Shri B Ramakrishna Rao Sir I beg to move

That a sum not exceeding Rs 4 00 000 under Supplementary Demand No 2 (Land Revenue 7) be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March, 1958 The Demand has the recommendation of the Rajpramukh

Mr Speaker Motion moved

That a sum not exceeding Rs 4 90 000 under Supplementary Demand No 2 (Land Revenue 7) be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March, 1958 The Demand has the recommendation of the Rajpramukh

Shri B Ramakrishna Rao Sir I beg to move

That a sum not exceeding Rs 1 99 922 under Supplementary Demand No 7 (25 General Administration) be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March, 1958 The Demand has the recommendation of the Rajpramukh

Mr Speaker Motion moved

That a sum not exceeding Rs 1 99 922 under Supplementary Demand No 7 (25 General Administration) be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March, 1958 The Demand has the recommendation of the Rajpramukh

Shri B Ramakrishna Rao Sir I beg to move

That a sum not exceeding Rs 10 08 000 under Supplementary Demand No 12 (54 Famine) be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March, 1958 The Demand has the recommendation of the Rajpramukh

Mr Speaker Motion Moved

That a sum not exceeding Rs 10 08 000 under Supplementary Demand No 12 (54 Famine) be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March, 1958 The Demand has the recommendation of the Rajpramukh

Shri B Ramakrishna Rao Sir I beg to move

That a sum not exceeding Rs 2 98 000 under Supplementary Demand No 13 (54 A Territorial and Political

Pensions) be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1953 The Demand has the recommendation of the Rajpramukh

Mr Speaker Motion moved

That a sum not exceeding Rs 2 98 000 under Supplementary Demand No 18 (51 A Territorial and Political Pensions) be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1953 The Demand has the recommendation of the Rajpramukh

Shri B Ramakrishna Rao Sir with your permission I beg to move the other three supplementary demands

Shri V D Deshpande I want clarification on one point Under Demand No 7 there is an amount of Rs 16 015 under charged account Is not that demand going to be moved?

Shri B Ramakrishna Rao I shall make the position clear I have just now moved demands in respect of three items These three items were shown in the statement of the Budget as charged items That is payment to Jagirdars and payment to H E H the Nizam in lieu of his Salf e Khas These three further demands were included in the charged items As I submitted the other day in the House it has now been found after examination that those items cannot be included among the charged items and they should therefore be put before the Assembly as votable items for demand That is why I put those further items as further demands before the House as for the year 1953 54 Now I am repeating the same items as supplementary demands as votable items for the year 1952 53 This House will remember that in 1952 53 these items were shown as charged items and the budget was passed by the Assembly accordingly But now when the legal position has been made clear those items that were in the budget estimates of 1952 53 shown as charged items have got to be included among votable items by way of supplementary demands and we have to forego the e items as charged items It is only a change of charged items into votable items Now that the legal position has been made clear it has become necessary that the Government should withdraw sanction of those items as already given by the House treating them as charged items Now they have to be shown and are being shown as votable items and are placed before the House

for their sanction in order to regularise the procedure That is also the desire of the Accountant General because the Constitutional position having become clear he cannot allow the irregularity to proceed That is why I am moving these supplementary demands

Shri V D Deshpande Point of Information Sir I want to know whether the amount of one crore and odd under these items was paid without sanction of the House If the amount was paid and if it was not sanctioned by the House how is it that the amount was paid and how is it that the Government can seek sanction now As it now appears the amount has been spent and the House did not record sanction to it What is the legal position and who is responsible ?

Mr Speaker It was sanctioned by the House probably under wrong impression Is it not so ?

Shri V D Deshpande No It was not put before us

Mr Speaker It was sanctioned as a charged item

Shri B Ramakrishna Rao These items were shown in the budget estimates as charged items and when those budget estimates were placed before the Assembly they were sanctioned as such But in the light of the legal position now made clear the two items have to be shown separately The expenditure does not come under charged items Last year these items were shown as charged items and the House passed the budget estimates as shown in the budget Whether it was done rightly or wrongly I need not say Perhaps an objection was raised but that objection was replied to by me I said that they had been rightly placed as charged items That is what my information was and that is how I thought myself But the subject was later on examined and it is now found that those items would not legitimately come under charged items and that they should be included as the votable items When the legal position is clear the Government as in duty bound has to ask for vote of the House on these demands and to remove them from the list of charged items We are doing it for this year by moving for further demands For the last year though the said items were sanctioned and the amounts were spent the matter has got to be regularised in order that the accounts might be quite clear That is why I withdraw them from the charged items and place them before the House for regularisation by voting them as supplementary demands It is quite in order I

have ascertained the legal position and taken legal opinion also The regularisation sought is quite in accordance with the practice

Shri V D Deshpande If these items were granted last year and if again they have to be granted now then it amounts to granting of the same items twice Unless the amount previously sanctioned is surrendered I am afraid, we cannot sanction now

Shri B Ramakrishna Rao The position is quite clear I just now said that we surrender the amount as charged item and move for the vote of the House as votable items in order to regularise

Mr Speaker Yes now the hon Chief Minister can move his demands

Shri B Ramakrishna Rao Sir I beg to move

That a further sum not exceeding Rs 42 86 000 under Supplementary Demand No 58 (Miscellaneous Payment to H E H the Nizam)be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1953 The Demand has the recommendation of the Rajpramukh

Mr Speaker Motion moved

That a further sum not exceeding Rs 42 86 000 under Supplementary Demand No 58 (Miscellaneous Payment to H E H the Nizam) be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1953 The Demand has the recommendation of the Rajpramukh

Shri B Ramakrishna Rao Sir I beg to move

That a further sum not exceeding Rs 84 00 000 under Supplementary Demand No 58 (Miscellaneous Payment to Jagirdars) be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1953 The Demand has the recommendation of the Rajpramukh

Mr Speaker Motion moved

That a further sum not exceeding Rs 84 00 000 under Supplementary Demand No 58 (Miscellaneous Payment to

Jagudars) be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1958 The Demand has the recommendation of the Rajpramukh

Shri V D Deshpande The hon the Chief Minister has moved a supplementary Demand No 7 for Rs 1 09 922 There is another item of Rs 16 015 under the same Demand (28 General Administration Government House Ministers and Secretariat Establishment) The hon the Chief Minister has not moved the demand to cover this amount of Rs 16 015 I want to know whether it is a separate amount ? If so has it to be moved ? Or has it been included in the amount of Rs 1 09 922 for which the demand was moved ?

The earlier practice has been to make it into a lumpsum and ask for the grant Now here it is shown separately Whether it is to be moved or will be moved later on I would like to know

Shri B Ramakrishna Rao Rs 16 015 is a charged item Perhaps it represents the expenditure of the Rajpramukh s peshi Secretariat etc That legitimately comes under charged account Therefore demand for the amount need not be moved That is why I have not moved a demand for that amount The e two items I moved as supplementary demands for this year in order to regularise the payment

Shri V D Deshpande Before the cut motions are moved I want certain information in respect of the supplementary demands just now moved Under Supplementary Demand No 2 item 8 an amount of Rs 2 62 000 was asked for payment for land acquired some years back at Malkajgiri for Trans port Lines of the British Army What that land is what the liabilities of the Government are we do not know Again under Supplementary Demand No 18 the amount was required to meet additional expenditure on account of resumption of the payment of Yeomiahs and Sahanas etc This is a new item which has not been shown before We want to know what were the agreements with the jagudars were and the liabilities of the Government under those agree ments Another point in respect of which I seek information is item 1 under Supplementary Demand No 2 whereunder Rs 21 000 was asked for supplementary grant for the training expenses of probationary Tahsildars Is this a new scheme ? If so we want clarification

Shri B Ramakrishna Rao I shall make an explanation If the hon Member wants more details I can give him during the discussion But so far as it is possible for me to remember I just make these points clear Under supplementary demand No 2 a supplementary grant for Rs 21 000 was asked for the expenditure incurred on the training of 20 probationary Tahsildars This amount of Rs 21 000 represents the amount spent on them It had to be met in excess of the budgetary provision That is why a supplementary demand is being asked for These 20 probationary Tahsildars were trained sometime ago This expenditure was incurred over and above the budgetary provision Hence the need for supplementary demand arise Regarding item 3 under Supplementary Demand No 2 the payment had to be made only recently for the acquisition of land which was acquired some years ago for purposes of the army This land in Malkajgiri belonged to a private party and it was acquired for purposes of the army Land acquisition proceedings took a considerable length of time The amount payable to the party had been decided only recently The payment was made this year and had to be made in excess of the budgetary provision That is why a sum of Rs 2 02 000 was claimed The payment of the acquisition amount was the responsibility of the State Government and it had to be discharged though the time that elapsed was regrettably long Regarding supplementary Demand No 18 at the time of the integration of the jagirs all the assets and liabilities of the jagirdars were taken over by the Government of Hyderabad No provision was made in the budget for payment of Yeomiahs and Saliianas These were payable to the holders in the ex Jagir area These claims had to be examined and thereafter only an approximate amount could be fixed and budgeted for This took time and it was only during 1952 53 that the amounts payable could be arrived at approximately That is why this amount has been now claimed by way of a supplementary demand The responsibility of the Government is to continue the payment Of course while passing orders the Government have taken care to see that no personal obligations of the Jagirdars have been palmed off on the Government Certain rules were framed and the rules require that these Yeomiahs and Saliianas in the nature of annual allowances and payments which were made for the maintenance of certain religious and charitable institutions and which were paid from the revenue of the jagir and not from the personal income of the jagirdars should be continued till such time as the general question of payment of cash

cash grants is decided by the Government Pending that decision these payments have to be made under the responsibility taken by the Government under the agreements relating to the integration of jagudars The expenditure having thus been incurred in excess of the budgetary provision this supplementary demand for the grant of that amount is moved

Shri V D Deshpande I want to know whether when arrangements for defence were taken over by Government of India from the Hyderabad Government at the time of integration all the assets and liabilities were also not taken over by them how is it that the Hyderabad Government has to pay the liabilities of the Defence Department ?

Shri B Ramakrishna Rao This item is entirely different I am afraid the hon Leader of the Opposition is mistaken It does not relate to Territorial and Political Pensions That item which has to be included in the Budget has a technical term— Yeomiahs and Sulanas Really speaking these are grants to religious institutions

Shri V D Deshpande I was referring to payment for land acquired at Malkajgiri Probably there is a dispute pending in a Court regarding this But when we settled our accounts with the Government of India was not this item included as a liability for the Government of India or was that liability left over to the Government of Hyderabad

Mr Speaker There are four items under Demand No 2 and one of them relates to the payment for land acquired some years back at Malkajgiri for Transport Lines of the British Army prior to accession

Shri V D Deshpande As the hon the Cheif Minister has explained there was a dispute going on and the amount of compensation was not decided I only wanted for my information whether at the time of the Government of India taking over the defence establishments etc i e at the time of integration this item was not included among their liabilities

Shri B Ramakrishna Rao I shall clarify it This item could not be included in their liabilities because the land was acquired by the Government of Hyderabad and a such the compensation had to be paid by the Government of Hyderabad The matter is between the land owner whose

rights were acquired by the Hyderabad Government and the Government of Hyderabad So far as the Government of India and Government of Hyderabad are concerned the question of liabilities and assets was decided on a different basis altogether Certain buildings and other property belonging to the Army were given to the Defence Department of the Government of India They claimed them as a corollary to the process of integration they claimed the properties as belonging to them and the claim was admitted by the Government of Hyderabad I am not in a position to furnish all the details but as a general reply to the question I can say that probably this item as well as certain other similar items must have been taken into account while arriving at the terms and conditions of the integration of the Army I am not aware of the details as to how it has been worked out and whether this amount similar other amounts have been taken into consideration at the time of fixing the liability I am not in a position to say just now about the details but I shall go into the matter and reply to the hon leader of the Opposition in the course of my reply

Mr Speaker We shall now take up motions for reduction of supplementary demands

DEMAND NO 2 —LAND REVENUE

TRAINING EXPENSES OF PROBATIONARY TAHSILDARS AND THE POLICY OF RECRUITMENT

Shri Anantrao Ghare (Parbhani) I beg to move

That the grant under Demand No 2 be reduced by Rs 100

Mr Speaker Motion moved

That the grant under Demand No 2 be reduced by Rs 100

PAYMENT FOR LAND ACQUIRED AT MALKAGIRI

Shri Abdul Rahman (Malakpet) I beg to move

That the grant under Demand No 2 be reduced by Rs 100

Mr Speaker Motion moved

That the grant under Demand No 2 be reduced by Rs 100

DEMAND NO 7 GENERAL ADMINISTRATION GOVERNMENT HOUSE, MINISTERS & SECRETARIAT ESTABLISHMENT

INCREASED EXPENDITURE ON TYRES TUBES ETC

Shri Daya Shanker Rao (Adilabad) I beg to move

That the grant under Demand No 7 be reduced by Rs 100

Mr Speaker Motion moved

That the grant under Demand No 7 be reduced by Rs 100

EXTENSION IN THE PERIOD OF SHIKARGAH ESTABLISHMENT

Shri Daya Shanker Rao I beg to move

That the grant under Demand No 7 be reduced by Rs 100

Mr Speaker Motion moved

That the grant under Demand No 7 be reduced by Rs 100

INCREASE IN THE CONTINGENCIES OF MINISTERS

Shri J Anand Rao (Sircilla) I beg to move

That the grant under Demand No 7 be reduced by Rs 100

Mr Speaker Motion moved

That the grant under Demand No 7 be reduced by Rs 100

EXTENSION IN THE PERIOD OF TEMPORARY ESTABLISHMENTS IN VARIOUS SECRETARIAT DEPARTMENTS

Shri Ch Venkat Ram Rao I beg to moved :

That the grant under Demand No 7 be reduced by Rs 100

Mr Speaker Motion moved

That the grant under Demand No 7 be reduced by Rs 100

ECONOMY IN THE GENERAL ADMINISTRATION

Shri K Ram Reddy (Nalgonda) I beg to move

That the grant under Demand No 7 be reduced by Rs 100

POLICY OF GENERAL ADMINISTRATION

Shri A Raj Reddy (Sultanabad) I beg to move

That the grant under Demand No 7 be reduced by Rs 100

Mr Speaker Sir I have mentioned in my original cut motion sent to the Secretary that I wish to discuss the working of the Public Service Commission but as I learnt later on the Secretary changed it into the present form saying that I cannot put the cut motion in its original form The purpose in my bringing this cut motion is to discuss the working of the Public Service Commission

Mr Speaker I doubt very much whether the hon Member can discuss that

Shri V D Deshpande Mr Speaker Sir the third item in the Order of Business given to us says Voting and discussion of Demands for Supplementary Grants I believe discount can take place regarding charged items though they may not be voted upon The cut motion moved by Shri K Ram Reddy seeks to discuss the expenditure of Rs 6 177 spent on the establishment of the Military Secretary to the Rajpramukh and the cut motion of Shri A Raj Reddy seeks to discuss the expenditure of Rs 9 849 incurred by the Public Service Commission Both these items were clubbed together under Demand No 7 They can be retained for the purpose of discussion but not for voting A reply has also to be given on this discussion

Mr Speaker These items can be discussed but the cut motions of Shri K Ram Reddy and Shri A Raj Reddy will not be put to vote

DEMAND NO 12—FAMINE

FAMINE CONDITIONS IN BIDR DISTRICT

Shri Vamanrao Deshmukh I beg to move

That the grant under Demand No 12 be reduced by Rs 100

Mr Speaker Motion moved

That the grant under Demand No 12 be reduced by Rs 100

FUNDS FOR FAMINE RELIEF

Shri Sripatrao Kadam (Bhir) I beg to move

That the grant under Demand No 12 be reduced by Rs 100

DEMAND No 13 TERRITORIAL AND POLITICAL PENSIONS

Shri Annajirao Gavane (Parbhani) I beg to move

That the grant under Demand No 13 be reduced by Rs 100

Mr Speaker Motion moved

That the grant under Demand No 14 be reduced by Rs 100

DEMAND No 2—LAND REVENUE

GULBARGA DISTRICT ADMINISTRATION

Shri Sharangouda Inamdar (Andola Jawargi) I beg to move

That the grant under Demand No 2 be reduced by Rs 100

Mr Speaker Motion moved

That the grant under Demand No 2 be reduced by Rs 100

DEMAND No 12—FAMINE

FAMINE CONDITIONS IN GULBARGA DISTRICT

Shri Sharangouda Inamdar I beg to move

That the grant under Demand No 12 be reduced by Rs 100

Mr Speaker Motion moved

That the grant under Demand No 12 be reduced by Rs 100

Mr Speaker Now we shall have general discussion Shri Ankush Rao Venkat Rao

Shri Ankush Rao Venkat Rao Mr Speaker Sir At the outset I would like to draw the attention of the House to the Passage in the Memorandum of Government explaining the reasons for the non acceptance of the advice of the Public Service Commission of Hyderabad which runs as follows

The Hyderabad Public Service Commission (Consul ation) Regulations were laid on the table of the State Legis lature in the month of July 1952 as required under Art 320 (5) of the Constitution and no modifications whether by way of repeal or amendment were made by the State Legisla ture

Sir even though these Regulations were placed on the table of the Legislature On a perusal of them I don t think they conform to the spirit of Art 320 (5) It is a fact that we in India though educated have got little or no experience of parliamentary Practice as such and therefore when these Regulations were placed on the table of the House we inad vertently left them out without considering them The result is that no modifications or amendments could be suggested by us on very important matters governing our administrative services So what I mean to say is that it was the bounden duty of the Government to make it quite clear to the House the importance and effects of the Regula tions that were sought to be implemented But without the proper consent of the House the Regulations which have got far reaching effects on our administrative set up have been put into effect for instance a department like Road Transport yielding a good revenue to the Government has been taken out of the purview of the Public Service Commission inspite of the fact that certain appointments made therein were questioned in this House

Regarding the training expenses of probationary Tahsil dars for which a supplementary demand of Rs 21 000 is sought to be granted I should like to mention that out of the 20 persons selected for the posts 18 were non mulkies and they were recommended by the Government and the Public Service Commission had to accept the advice of the Government It is surprising that only seven mulkies were recruited to those posts I should say that this policy of Government in recruit ing non mulkies when sufficient mulki personnel were avail able in our State was the reason which made our educated

young men to agitate against the Government It has had a very bad effect and it led to much bloodshed But on this matter I would not dilate further Due to the fact that the Public Service Commission complained about the manner in which its power was curtailed some important cases had been taken out of its purview and thus the Government tried to show that even for the general lowering of our administrative efficiency the House has agreed

There have been complaints that for recruitment to the posts of Probationary Tahsildars January 1 1958 was the date originally fixed but later on in view of certain representations Government had to change that date to 1st July 1952 Why such an interesting step has been taken by the Government is a matter which requires some elucidation from the Chief Minister I would request the Chief Minister to make it clear to the House what those representations were and what need was there to change the date originally fixed There were complaints that the Government gave some concessions regarding even the date of birth In spite of the fact that the date of birth as is shown in the Matriculation certificate is different from the date of birth shown in the service book a concession has been given that birth dates can be given according to Janma Patrikas It is a well known fact that Janma Patrikas can be manufactured for the convenience of entering that Government services So I am at a loss to understand what need was there to doubt the correctness of the Matriculation certificates which I am sure truly indicate the age of a candidate There are also complaints that notwithstanding the language policy adopted by the Government the persons recruited to administrative services—as is clear from the published results of the competitive examinations do not fulfil the necessary qualifications of proficiency in regional languages

I would like to request the hon Chief Minister to elucidate the various points raise by me during the course of his reply to the debate

شری اے راج ر ڈی مسٹر اسپیکر ابھی ایکسمبر رکن نے ایوان کے آگے پبلک سروس کمیشن کے بارے میں اپنے حالات کا اظہار کیا اس کے متعلق میں مجھے بھی کچھ مزید عرض کرنا ہے

پبلک سروس کمیشن سے بڑی محبت کے ساتھ گزشتہ سال جو کچھ کیا اوسکے متعلق باضابطہ کارروائی نہیں ہوئی لیکن بدقسمتی ہے کہ ایوان جو کہ باخبر ہے کار رہا اسلئے

باوجود مواد ہمارے سامنے رکھے جانے کے اس پر غور نہ ہوسکا۔ پبلک سروس کمیشن کی رپورٹ پڑھنے کے بعد یہ بھی معلوم ہوا کہ پبلک سروس کمیشن کے کنسلٹیشن ریگولیشن (Consultation Regulations) بنائے بھی گئے اور اس ایوان کے سامنے رکھے بھی گئے اور یہ تصور کرلیا گیا کہ ایوان نے اس کی منظوری دیدی چنانچہ اس کا سہارا لیکر پبلک سروس کمیشن (جو کہ دستوری تشکیل ہے) کے دائرہ عمل میں اور اوس کے اختیارات میں دست اندازی بھی کی گئی۔ یہ چیز صاف طور پر اس رپورٹ سے ظاہر ہورہی ہے۔ لیکن افسوس یہ ہے کہ اس کی منظوری ہم رد بھی نہ کرسکے۔ دستور کی دفعہ (۳۲) کی رو سے اس ریگولیشنس کے متعلق سے اس میں کمی بیشی اور ترمیم کرنے کا جو اختیار ہم کو دیا گیا تھا اوس سے ہم نے کوئی استعمال نہیں کیا۔ میں اس کو مانتا ہوں۔ نہ صرف مانتا ہوں بلکہ یہ بھی کہتا ہوں کہ ہمارے جو فرائض تھے اس سے ہم عہدہ برآنہ ہونے کی وجہ سے پبلک سروس کمیشن کو کافی رسوائی اور تکلیف اٹھانی پڑی۔ چنانچہ یہ امر اوس رپورٹ سے ظاہر ہے میں کم ازکم اپنی جانب سے معزز اراکین کمیشن سے معذرت خواہونگا کہ ہم نے صحیح طور پر اور وقت ان چیزوں کی طرف کوئی توجہ نہیں کی۔ لیکن مجھے اس کا بھی یقین ہے کہ پبلک سروس کمیشن کے دائرہ عمل کے اندر اور اوس کے اختیارات کے اندر غلط سلط طریقہ پر دست اندازی کے لیے محض جو ٹیکنکل اور لیگل عذرات کی بنا پر ریگولیشنس بنائے بھی گئے پیش بھی کیے گئے اور اسکی منظوری بھی حاصل کرلی گئی یہ رپورٹ جو ہمارے سامنے پیش کی گئی ہے یہ رپورٹ اور اس کا سرکاری جواب دونوں کا تفصیلی طور پر مطالعہ کرنے کے بعد میری یہ غور کردہ رائے ہے کہ اس سلسلہ میں حکومت کی جانب سے جو جواب دیا گیا ہے اسکی بنیاد صرف اس امر پر ہے جس کا ذکر ابھی کیا گیا کہ ان ریگولیشنس کی ایوان نے منظوری دیدی ہے حالانکہ مجھے یہ بھی اچھی طرح یاد نہیں کہ آیا حکومت نے یہ ریگولیشنس ایوان میں پیش بھی کیے یا نہیں۔ یہ قاعدہ کا پرچہ ہمارے کاغذات میں ڈھونڈنے سے بھی نہ مل سکا میرے کہنے کا منشا یہ ہے کہ ہوسکتا ہے کہ ہم سے ہی تساہل ہوا ہو لیکن ایسی صورت میں جبکہ یہ ایوان اپنی ذمہ داریوں سے واقف نہیں تھا معزز چیف منسٹر کا یہ فرض تھا کہ وہ اس کو انٹروڈیوس (Introduce) کرتے ہوئے یہ بتاتے کہ اس سلسلہ میں ہمارے کیا فرائض ہیں۔ یہ ریگولیشنس کیوں بنائے گئے ہیں کم ازکم فارملی (Formally) ہی اس کا ذکر کردیا گیا ہوتا۔ یہ نہیں کہ خالی لاکر پیش کردیا جیسے یہ مثل تھی کہ الخاموشی نیم رضامندی۔ لیکن یہاں تو خاموشی کے معنے پوری رضامندی کے لیے جا رہے ہیں۔ دستور کے صرف لیٹر (Letter) ہی کو نہ دیکھنا چاہیے بلکہ جیسا کہ ہمارے دوست نے کہا اوس کی اسپرٹ پر بھی غور کرنا چاہیے کہ اوس کا مقصد کیا ہے۔ اوسکی منشاء کیا ہے۔ ورنہ صرف ایوان میں پیش کرنے سے کیا ہوتا ہے۔ پبلک سروس کمیشن کی رپورٹ اس کا سرکاری جواب ہے

رویہ سے یہ معلوم ہوتا ہے کہ وہ جواب بالکل ایک اسرار یہ طریقہ دیا گیا ہے کہ ایک دفعہ رنگولیشن دیوان میں پیش ہو گئے لیکن وہاں کوئی رسم نہیں ہوئی گورنمنٹ نے اس کے متعلق کچھ مزید ہونے دینے کی ضرورت نہیں سمجھی لیکن اور ا مہربانی ہے کچھ صراحت کی گئی ہے میں اس صراحت کی تفصیل میں جانا نہیں چاہتا لیکن یہ ضرور کہوں گا کہ محض عذرات لنگ اور ٹیکنیکل عذر کی بنا پر صحیح راستہ عمل سے اور صحیح طریقہ کار سے ہٹنے کی جو کوشش کی گئی وہ صحیح نہیں ہے اس ایوان کے معزز اراکین میں سے ہر رکن کو اس کا تجربہ ہے کہ یہ جو بیوروکریٹک مشینری (Bureaucrattic Machinery) ہے اس کے متعلق سے ایک زمانے سے ایک … چلی آرہی ہے اور ایک خاص ماحول کے تحت چلی آرہی ہے اس کے اندر جو نیپوٹزم (Nepotism) یا اور جو بھی رجحانات تھیں وہ آج بھی جوں کی توں ہیں غیر معمولی طور پر اپنے اختیارات سے کام لیکر سروس میں کسی کے متعلقین کی طرف داری کرنا ایک پرانی روش ہے کہ اس گروپ کو ایک بہت بڑا افسر بنا دیا … حکومت کے ایسی … کا کھیل ہے یہ طریقہ آج تک بھی چلا آرہا ہے لیکن … پبلک سروس کمیشن … اب نہیں کر سکتی اگر آپ ملاحظہ فرمائیں تو معلوم ہوگا کہ آج بھی پبلک سروس کمیشن کے کاروبار میں سہولت نہیں پہنچائی جاتی ان کو معلومات مہیا نہیں کی جاتی جو کیسس ریفر کرنا چاہیے نہیں کیے جاتے اپیل وغیرہ میں جہاں پبلک سروس کمیشن کا مشورہ لینا چاہیے ضروری ہوتا وہاں ایسے مشورہ نہیں لیے جاتے اور جو ضروری مواد دیا جانا چاہیے وہ بھی بروقت نہیں دیا جاتا جو ریفر کیا جاتا ہے وہ بھی ایسے غیر معمولی دیر کے بعد و دستور کے بھی خلاف ہیں آفیسرز کی ایفیشنسی (Effioiency) نہ ہونے کے باوجود ایسے کیسس (Cases) واپس لے لیے جاتے ہیں جو مشورہ پبلک سروس کمیشن سے دیا جاتا ہے وہ منظور بھی ہوتا ہے یا نہیں اس کا پتہ بھی نہیں چل سکتا ایفیشنسی کی بات نہیں کی جاتی ہیں لیکن کیسس کے کاروبار میں سہولت پہنچانے بروقت مواد دینے اور اوسکی جلد اجرائی کرنے کی کوشش نہیں کی جاتی دستور کے تحت ایک کمیشن تو بٹھایا گیا ہے لیکن اوس کو اس کا موقع نہیں دیا جاتا کہ وہ اپنے اختیارات کام میں لائے رپورٹ میں ایسی شکایات اور اوکی تفصیلات دی گئی ہیں جن کے دیکھنے سے کوئی شبہ باقی نہیں رہتا ہے کہ کس طرح غلط عمل کیا جارہا ہے مجھے معتمدین اور صدور محکمہ جات کے عادات کے متعلق کوئی شبہ باقی نہیں رہا کہ وہ اسی طرح پبلک سروس کمیشن کے کاموں میں روڑے اٹکاتے رہیں گے جب تک ان کے خلاف سخت سے سخت ایکشن (Action) نہ لیا جائے گا وہ اسی طرح کرتے ہی رہیں گے مجھے افسوس تو اس بات کا ہے کہ آج کی حکومت عوامی حکومت کہلائی جاتی ہے لیکن اس کمیشن کے لیے جو سہولتیں دی جانی چاہئیں جس طرح کیسس کو کھلے طور پر ریفر (Refer) کیا جانا چاہیے نہیں کیا جاتا بلکہ ان عوامی اصولوں سے ہٹ کر بیوروکریٹک مشینری کے رجحانات کی پابندی کرتے ہوئے ایک

رنگولیشن بنا لیا گیا ہے اس رپورٹ کے اینڈکس (جے) میں وہ ہدایات بتائے گئے ہیں جن میں پبلک سروس کمیشن کے دائرہ عمل اور اختیارات میں دخل انداز ہونے کی کوشش کی گئی ہے ایک طرف ار پی ڈی کو پبلک سروس کمیشن کے اختیارات سے نکال لیا گیا ہے اس سال کے کنٹریکٹ (Contract) کا جو طریقہ تھا اوس کو بھی نکال لیا گیا ہے سینکڑوں پوسٹس وغیرہ کے معاملہ کو بھی لے لیا گیا اور کئی ایسے کیٹگوریز (Categories) ہیں جن کو نکال لیا گیا گویا ایک ایک کرکے ساری چیزوں کو کمیشن سے نکال لیا جا رہا ہے اپیلس (Appeals) کے متعلق بھی جیسا کہ رپورٹ میں لکھا گیا اور کوئی وجہ نہیں کہ اس رپورٹ کو غلط باور کیا جائے کوئی کانسٹیٹیوشنل ایڈوائس (Constitutional Advice) نہیں لیا جاتا ایک طرف تو یہ عذر کیا جاتا ہے کہ آر پی ڈی آئندہ کارپوریشن بن جانے والا ہے اس لئے کمیشن کا اس کے متعلق اختیار باقی نہیں رہیگا لیکن اصل اس کے کہ یہ صورت بن آئے کمیشن سے ذکر کیا بند کردیے ہیں ایک تماشا ہو رہا ہے آر پی ڈی میں یہ بھی دیکھی جاتی ہے کہ دو دن اپائنٹمنٹ کرائے جاتے ہیں اور پھر دوسرے کیسس (Cases) میں کمیشن سے رجوع کیا جاتا ہے جب اون کا اختیار باقی نہیں ہے تو پھر یہ کیوں رجوع کی جاتی ہے؟ ایسی باتیں جس سے ہمارا ایڈمنسٹریشن خراب ہو جاتا ہے اور جس کی سچ کی کے متعلق جو سمجھ کو گمان ہے تو پھر حکومت جس طرح سے عمل کر رہی ہے وہ کہاں تک درست ہو سکتا ہے؟ آپ چاہے تو ایک رنگولیشن بنائے ہیں لیکن پھر سول سروس رنگولیشن کے کسی ضابطہ کو بنا کر دستور کے خلاف عمل کرنے کی کوشش کرتے ہیں میں کہونگا کہ یہ رجحان الکل غلط ہے دستور کے تحت جو اختیارات کمیشن کو دیے گئے ہیں اون سے ہٹ کر گورنمنٹ کچھ نہیں کرسکتی ایڈمنسٹریٹو ہیڈس (Administrative Heads) کو بعض اختیارات دینا درست ہوگا مثلاً سب ورسیو ایکٹیویٹیز (Subversive Activities) کے متعلق جو ضابطہ عملی میں ہے اختیار ہیں لیکن جہاں ایسے اختیارات پبلک سروس کمیشن کو نہیں دیے گئے مثلاً ان ایفیشینسی (Inefficiency) وغیرہ بلکہ انہیں گورنمنٹ نے رکھ لیا ہے یہ نہیں معلوم کیوں پبلک سروس کمیشن کو بتائے بنا کو رکھا گیا ہے؟ میں یہ عرض کرونگا کہ حکومت کو اس بارے میں پبلک سروس کمیشن کی ہمت افزائی کرنی چاہیے آخر میں میں ایک اور عرض کرونگا دو سال کی رپورٹ دیکھنے سے گورنمنٹ کا جو رویہ معلوم ہوتا ہے اور اس تعلق سے جو اقدام اوس نے کیا ہے (ممکن ہے کہ میری معلومات صحیح نہ ہوں) یہی یہ ہے کہ کانگریس کے ایک تھا کو اس کا رکن بنایا گیا ہے یہ دو چیزیں ایسی ہیں جو ہمارے سامنے آرہی ہیں مجھے امید ہے کہ آئندہ سال یہ چیزیں باقی نہیں رہیگی بلکہ حتی الامکان اس کمیشن کی ہمت افزائی کی جائیگی میں یہ بھی کہونگا کہ جو کنسلٹیشن رنگولیشن ہیں (وہ ابھی پورے ہم کو معلوم نہیں) اون کے متعلق بھی اور زیادہ غور کرے اور دستور کی ند ھے پیچ

اس میں ترمیم و تغیر کرنا چاہیے کی جائے۔ ایسا عرض کرتے ہوئے میں معزز منسٹر
سے استدعا کرتا ہوں کہ وہ ان باتوں کے بارے میں ہمیں جواب دیں گے

The House then adjourned for Recess till Half Past Five of the Clock

The House reassembled after Recess at Half Past Five of the Clock

[Mr Deputy Speaker in the Chair]

شری ڈاجی بسکر: میرا کٹ موشن حکومت کے ایئرفورس کے لیے (۸۳ م)
روپے کا سپلیمنٹری ڈیمانڈ پیش کیا ہے۔ یہ وہ رقم ہے جو گذشتہ سال زائد خرچ کی گئی
ہے۔ میں یہ سمجھتا ہوں کہ ٹائر اور ٹیوبوں پر اتنا زائد خرچہ کیا گیا ہوگا۔ میں ایک سال
سے آرمی کی موٹروں کو دیکھتا ہوں کہ ان میں نئے ٹائر رہتے ہیں۔ کبھی بھی
میں نے یہ نہیں دیکھا کہ ان کے ٹائر فلاٹ (Flat) ہوگئے ہوں۔ اس سے
پتہ چلتا ہے کہ گروس (Grooves) گھسنے سے پہلے ہی وہ ٹائر موٹر سے
خارج ہو جاتے ہیں۔ انہیں ناکارہ بتلا کر اس ڈپارٹمنٹ کے لوگ انہیں
فروخت کرکے ناجائز طور پر فائدہ کماتے ہیں۔ ورنہ اتنی زائد رقم اس کام پر خرچ کرنے
کی ضرورت میں نہیں سمجھتا۔ میں نے بھی لوگوں سے اس بارے میں دریافت کیا کہ
کتنے عرصہ میں آرمی کی موٹروں کے ٹائر اور ٹیوبیں بدلے جاتے ہیں۔ آرمی کے
ایک ملازم نے بتایا کہ ایک سال میں پرانے ٹائر ٹیوبیں بدل دیے جاتے ہیں۔ نئی
ابھی گروس بھی نہیں گھستے کہ ڈھائی سو کا دو ڈھائی ڈال دیا جاتا ہے
انہوں نے کہا کہ چونکہ گاڑیوں کو اضلاع کی سڑکوں پر زیادہ پھرنا پڑتا ہے اس لیے ان
میں گھسے ہوئے ٹائر نہیں رکھ سکتے۔ میں نہیں سمجھتا کہ ایسا ہوتا ہے۔ ہمیں
ہمارا بھی تجربہ ہے کہ اگر یہ ٹائر احتیاط سے چلائے جائیں تو دو سال تک تو انہیں
کام میں لایا جاسکتا ہے۔ آرمی کی گاڑیاں بھی اس لحاظ سے کم از کم ڈیڑھ سال تک
چلائی جاسکتی ہیں۔ چونکہ یہ اضلاع جاتے ہیں اس لیے ڈیڑھ سال تک تو چل سکتے ہیں
ایک اور بات یہ کہ جن سڑکوں پر لاریوں کے اسپرنگس ٹوٹ جاتے ہیں ویسی سڑکوں
پر آرمی کی گاڑیاں لیجاتے ہیں جس سے ٹائر ٹیوب خراب ہو جاتے ہیں۔ اسپرنگس
ٹوٹ جاتے ہیں اور گاڑی بے کار ہو جاتی ہے۔ اس لیے دوروں کے واسطے مسل روڈ پر
استعمال کرنے کے لیے جیپس اسٹیشن ویگن زیادہ موزوں ہوتی ہے۔ اگر انہیں اس غرض
کے لیے استعمال کیا جائے تو میں سمجھتا ہوں کہ اس سے بھی اخراجات میں کمی ہوسکتی
ہے۔ لیکن اخراجات میں کمی اگورنمنٹ کے نقصان کو نہیں دیکھا جاتا بلکہ آرام کو
دیکھا جاتا ہے۔ بڑی بڑی آرام دہ گاڑیاں چاہییں جن میں ... سو میل پھرنے پر بھی
کوئی تکلیف نہ ہو۔ میں کہونگا کہ اس طرح اپنے آرام کی خاطر عوام کا پیسہ ضایع کرنا
درست مناسب نہیں ہے۔ میں یہ اپیل کرتا ہوں کہ جتنی بھی گاڑیاں ہیں جن پر جب

زیادہ خرچہ ہوتا ہے انہیں فروخت کرکے اسکی جائے اسی ۔ں و ۔اکس خرید نا چاہیے جو ٹورس (Tours) کے لیے زیادہ موزوں ہوتی ہیں

شکارگاہ کے بارے میں مجھے یہ کہنا ہے کہ اس زمانہ میں یہ معمول درج کیا جا رہا ہے لوگوں نہیں جانتا کہ اس کے ملک میں جو شکار جانات ہوں لیکن پولیس ایکشن کے بعد ہمارے شکارگاہوں کی یہ حالت ہے جنگلوں میں جو ہرن ہیں یہ جانور ہیں یہ مل ہیں انڈین یونین کی فورسس اور پولیس انہیں مارکر لاریوں میں بھر بھرکر لیگئے ہیں اور یہاں سے بکوا نے جو ریلوں کے لیے استعمال کیا اب وہاں صرف سور رہگئے ہیں وہی لیے ہیں وہ لکڑ کا کاروں کے کھیتوں کو برا کرتے ہیں میں یہ یقین کے ساتھ کہہ سکتا ہوں کہ جنگلوں میں اب ایک بھی کوئی جانور نہیں رہا

دوسری بات یہ کہ میں جو اب شکارگاہ کی کوئی خاص ضرورت بھی نہیں سمجھتا اب یہ جو وہ رہا یہ ہے کہ وائسرائے صاحب یہاں تفریح کے لیے آئیں اور اعلیٰ حضرت بندگان عالی انہیں شکار کے لیے شکارگاہ لیجائیں اور یہ جو کوئی ا ے گورنر جنرل آئے ہیں ان یہیں شکار کروانا پڑتا ہے اس طرح کے آنریبل ممبرس بھی یہ کہتے ہیں کہ عوامی راج ہے عوامی راج میں اس قسم کے جو خرچے ہیں وہ نہیں چل سکتے

اس محکمہ سے متعلق ایک اور بات یہ ہے کہ کوئی شخص ہے بکر اجازت نامہ لیکر بھی شکار نہیں کھیلتا اگر ایسا ہوتا بھی ہے تو کم زکم میری نظر سے نہیں گزرا اور پھر وہاں جانوروں کی حفاظت کا بھی کوئی سوال نہیں سمجھ میں نہیں آتا کہ یہ (۲۲) کی زائد رقم کیسے صرف ہوئی ہے میں ان جملہ حالات کے سبب یہ کہونگا کہ یہ رقم بیکار صرف ہوئی ہے اور اس پر جو زائد خرچ مانگا جا رہا ہے وہ فضول خرچ ہے اسکے سوا اور کچھ نہیں میں آنریبل منسٹر سے اپیل کرتا ہوں کہ اس قسم کی فضول خرچی کو کالعدم کے بارے میں غورکریں

مسٹر اسپیکر سر ! آڈیشنل کمشنر کاریٹ اجلاس کے بارے میں ہے راج پر کہا ہے کہ ان کے ایڈریس کے دوران میں جو ریلیف و جانے کا اعلان کیا تھا اس کے بارے میں گورنمنٹ کے لیے ہوئے ٹرمس (Measures) کا ذکرکرتے ہوئے آنریبل منسٹر نے کہا تھا کہ حکومت اس پر دو طریقوں سے سوچ رہی ہے ایک تو لانگ ٹرم میژرس (Long term measures) اور دوسرے ریلیف (Relief) کے بارے میں لانگ ٹرم میژرس کے سلسلہ میں گورنمنٹ آف انڈیا کے پلاننگ کمیشن کا ذکرکیا گیا لیکن ریلیف کے بارے میں معلوم نہیں

مرہٹواڑہ اور خصوصاً اورنگ آباد میں حالات لیکن متبادل (Alternatively) پیدا ہوئے ہیں اور اس قدر سنگین ہو رہے ہیں جس کہ ایسے حالات پیدا ہوئے ہیں اس سے پہلے نہیں دیکھے جاتے موجودہ حالات میں جو ریلیف دیا جاتا ہے اس کے بارے میں کچھ کہوں گا ہماری اسٹیٹ کے فنانس کمشنر نے ہر مقام کا خود ٹور کیا اور حیدرآباد آکر یہاں سے رپورٹ طلب کی

سردی کے آل پرسیوان رالؔ مراسے کر رہا ہے میں وہ ہیں میں
ھیں جہاں اعتراضات کا ہے ا ہے

مسٹر ڈپٹی اسپیکر : وہ دو ڈسٹرکٹ (Disadvantage) میں رکھے گئے

مسٹری مسری اب راؤ کدم — ڈ صاحب یہ اورنگ آباد کے اضلاع کا اعلان ہونے
پرس کا مرس میں کرکتا مجھے سمجھ آتا ہے کہ ان کہ ہر عمبلدار ڈپٹی
کلکٹر اور کلکٹر سے حاصل کیے ہوئے معلومات میں کا مرس میں ان کر دیے ھیں
اس طرح وہاں کے کلاس کو حل ہونے ہیں اس کا اندازہ کم جاسکتا ہے وہ لی
رتوںسو سے جو اطلاعات ہوئے ہیں اس کے ممبرس ہاؤس کے رکھے گئے ھیں
جس سے یہ صاف ظاہر ہوتا ہے کہ حکومت کی جانب سے جو مدد کی گئی ہے وہ اکل
کم ہے

موجودہ حالات میں اور حکومت کے طرف میں ادی اوی ہے حکومت کبھی
ہے کہ اسکیرسٹی کنڈیشن (Scarcity condition) ہے حالانکہ وہاں
فیمن کنڈیشن (Famine condition) ہے اسکیرسٹی ا ا
(Scarcity area) میں کچھ ویجس (Wages) میں فیمن کوڈ (Famine code) کے حساب
دیے جاتے ھیں یہ ویجس (۲) سال پہلے مقرر کیے گئے تھے اوس وقت حالات میں
اور موجودہ حالات میں بہت فرق ہے وس وقت کے انڈکس نمبر (Index number) میں
اور اب کے انڈکس نمبر میں بہت فرق ہو گیا ہے جو ویجس ا س کوڈ کے حساب مقرر
کیے گئے ہیں ممکن ہے کہ اوس وقت کے حالات کے لحاظ سے مناسب ہوں لیکن موجودہ
حالات کے حساب بہت نامناسب ھیں میں لیے میں کہوں گا کہ وہ ہر بار لے کی جائے
ایک رو یہ مزدوری مقرر کی جانی چاہیے میں پر غور کیا ہے دوسری بات یہ کہ ڈ
ضلع میں سول کلکٹس کے بے مطالبہ کر کے ا ہر کمیرس کو یہ حکم دیا گیا ہے
یہ کام پی ڈبلیو ڈی کی نگرانی میں کرایا جاسکتا تھا کہ کمیرس کے ذریعہ کرانے
میں ہوتا یہ ہے کہ وہ جو حاصل کرتے ھیں او اس سے گورنمنٹ کا نقصان ہوتا ہے
اور یہ کہ ہر ضلع میں جو سسٹم کھولا گیا تھا وہ بھی ب ند ہو جاتا ہے دوسری خبر یہ کہ
ڈ ضلع میں وقل و ڈ کی جانب سے جو رقم طور کی گئی ہے وہ وا پک ڈپا ٹمنٹ
(Well Sinking Department) کی جانب سے کی جانےکی ا کس طرح
خرچ ہوگی معلوم نہیں ہوسکا سب سے زیادہ حیرت انگیز بات یہ ہے کہ ؤڑ میں جو
مشہور پراجکٹ ہے اس میں فیمن کمشنر کے بیان کے مطابق ایک ہزار لوگوں کو کام
دیا جا سکا ہاؤس میں جو فیگرس دیے گئے اون سے بھی یہی معلوم ہوا کہ ایک ہزار
مزدور کام کررہے ھیں لیکن معائنہ موقع کیا جائے تو معلوم ہوا کہ وہاں سو دو سو
سے زیادہ مزدور کام نہیں کررہے ھیں

ان حالات میں جو رقم دی گئی ہے وہ اتنی کم ہے اتنی قلیل ہے کہ اوس سے صرف چند
لوگوں کو زندہ رکھا جاسکتا ہے اس لیے میں کہوں گا کہ زیادہ رقم منظوری کریں

جا رہے ہیں ۔ مویشی فوت ہو رہے ہیں اسی طرح سے ہر جگہ جا رہی ہے جس کا
انتظام کرنا ہے کہ سب طرف سے خرچ کی جائے ۔ مثل چوڑے جن اسی ڈالو
ڈی کی گرانی نہیں ہے بلکہ کم کر کے در ہم کام کرایا جاتا ہے اس وجہ سے نقصان
ہو رہا ہے ۔ میں اس کے لئے جو رقم رکھی گئی ہے وہ ناکافی ہے میں حکومت سے اپیل
کروں گا کہ اس میں کافی اضافہ کیا جائے ۔ میں وزارت میں لانگ ٹرم ویسرز
(Long term preventive measures) اختیار کرنا چاہیے جس کے
لئے جو رقم دی گئی ہے وہ کافی ہے میں بارے میں اخبارات میں بھی خبریں آئی ہیں میں
آنریبل منسٹر صاحب سے اپیل کروں گا کہ رقم میں اضافہ کیا جائے اور جو صورت حال
خراب ہے اسکا جلد سے جلد ازالہ ہو سکے ۔

شری میرن گوڑ ۔ مسٹر ڈپٹی اسپیکر ۔ میں اس کٹ موشن کے سلسلہ میں یہ اپیل کا
اظہار کروں گا کہ گلبرگہ ضلع میں وہاں کی رعایا کی حالت کو سدھارنے کے لئے گورنمنٹ
نے کوئی قدم نہیں اٹھایا ہے ۔ ولی اکبس کے سامنے ہم دیکھتے آرہے ہیں کہ قحط
ہوگئی ۔ مالی دقت ہوئی جس کی وجہ سے تباہی ہوئی وہاں
لوگوں کا مسئلہ ۔ لیکن گورنمنٹ نے وہاں کی کیا سعی کر کے لئے ؟
انتظامات کرنا چاہیے تھے ۔ جن کے متعلق پہلے ہم نے سوالات کئے جو انتظامات
بھی گورنمنٹ کی جانب سے کئے گئے ہیں انکے مطابق ہم ہمارے ان کے نقصانوں کو
دیکھتے ہیں اور منسٹر کے تجربہ کیا گیا ہے کہ ہماری گورنمنٹ نے جو ڈیمر کرنک
گورنمنٹ ہے کسی کے معاملہ میں کوئی کام نہیں کیا ۔ ایسے اس کی رعایا اور ان کو
بہت سی ان سہولتوں سے محروم ہے جو کہ گورنمنٹ کے سب کے لئے تجاویز میں قرار دے
کئے جا رہے ہیں ۔ ہونا یہ تھا کہ گورنمنٹ کو بھی چاہیے تھا کہ رعایا کو ہم لیں ہم
پہنچائیں ۔ الندھ کی اور اجیل اور ضلعوں میں پانی کی کمی کی وجہ سے خریف کی فصل
بالکل تباہ ہو گئی ہے ۔ سور وغیرہ میں ربیع کی فصل خراب ہو گئی ہے ۔ وہاں کی رعایا
نے ہزاروں درخواستیں دیں لیکن کلکٹر صاحب کو موقعہ نہ ملا اسکے باوجود کوئی
انتظام نہیں ہوا ۔ ہوئی کے سلسلے میں ہوا ہے کے لئے ہزار روپیہ منظور کئے گئے
اور ایک گاؤں کے لئے دس ہزار روپیہ کی منظوری دی گئی لیکن وہاں کے معاملہ نے حکام
حال میں تبادلہ ہوا ہے وہ رعایا میں لوگوں میں تقسیم کئے ۔ ان کی حالت اچھی
نہیں ۔ اس میں سے آج سو روپیہ گردو کو دیئے گئے کیونکہ وہ انکی خوشامد کرتا ہے
اسکے پھر دبایا ہے ۔ ولیس پٹیل کو دو سو روپیہ دیئے گئے مالی پٹیل کو دو سو روپیہ
دیئے گئے اس طرح گاؤں کے بڑے بڑے لوگوں میں روپیہ تقسیم کیا گیا ۔ اس طرف کے
علاوہ میں فصل خریف خراب ہو گئی ہے جو ان کسانوں نے کھو گئی ہے ۔ اودھر طرف کے
آنریبل منسٹر کو ہم نے وہاں کی حالت دکھائی ہے ۔ انہوں نے وہاں کی حالت دیکھی
ہے ۔ لیکن کیا کیا جائے ان لوگوں کو در نہیں ہے ۔ اور لوگوں کو اسکا خیال نہیں
ہے کہ رعایا کی تکالیف کو دور کیا جائے ۔ انکو عوام کے مشکلات کا احساس نہیں
ہے

Shri V D Deshpande Mr Speaker Sir I wish to point to you that the Hon Minister who is in charge of the portfolio is absent continuously and I do not understand how he will be in a position to clarify the points raised in the debate There fore I wish to convey through you to the Chief Minister and the Minister concerned that when the debate is going on their demands they are in duty bound to be present in the House so that they may be in a position to clarify the points raised

Mr Deputy Speaker Of course it is desirable that the Minister concerned should be present here but it cannot be forced

Shri V D Deshpande Mr Speaker Sir A similar instance arose in the House of the People recently and the Speaker though it was not exactly his ruling expressed that the Minister concerned should be present in the House when the particular demands were being discussed

[At this stage The Chief Minister Shri B Ramakrishna Rao entered the House and took his seat]

شری سری ہری: کیا ہمارے رولس میں ایسی کوئی پابندی ہے ؟

شری سری ہری کو لیو [illegible] اسی طرح [illegible] ہزار روپیہ [illegible] کام کے لیے ہو سکے
گئے تھے [illegible] ہیں کیے گئے [illegible] کئے ہیں [illegible] کے [illegible] اور [illegible] میں
[illegible] کی [illegible] کی گئی [illegible] وہاں پر [illegible] کی گئی
ہے کم از کم وہاں میں [illegible] کو [illegible] دیکھی ہے [illegible] بھی کیا جاتا ہے
[illegible] اس لئے [illegible] کے رہنے [illegible] میں [illegible] دکھائی ہیں
[illegible] اور [illegible] وہاں انتظام ہو سکتا
[illegible] ہو سکتا [illegible] کہ [illegible] کچھ حالات میں یہ
[illegible] وہاں کے حالات [illegible] ایک [illegible]
[illegible] کی گئی ہے [illegible] کی گئی ہے اسکی تقسیم کا انتظام
[illegible] کی وجہ سے [illegible] کو رقم [illegible] پہنچی ہے [illegible]
لوگ اپنا [illegible] گھر بار [illegible] گئے ہیں کیونکہ انکے جانوروں
کے لیے [illegible] ہم دیکھتے ہیں کہ عوام کی بھلائی کے لیے کروڑوں روپیہ
[illegible] جہاں دکھائی ہیں [illegible] کرنے کے [illegible] دور کیے
جاتے ہیں لیکن [illegible] صرف کیے جاتے ہیں [illegible] معلوم نہیں ہے [illegible]
[illegible] درخواست کروں گا کہ [illegible] اور [illegible] کے علاوہ
کی [illegible] خراب ہے [illegible] نہیں ہے [illegible] وہاں کے لوگوں
کا محاصل معاف کیا جائے [illegible] اسباب کے لیے جو امداد ہو سکتی ہے کی جائے
ہم [illegible] کو اسکی [illegible] تکلیفوں کا دور کریں اور حالات کی جانچ
کرکے وہاں کی [illegible] کو دور کرنے کی تدابیر اختیار کریں [illegible] وہاں وصولات

شروع ہونے والے ہیں ایسے اس موقع در معاں کا حکم نا جانا جا ہے آج کی گورنمنٹ
ہے عوام کی ... کے وقت کام نہ ایسے و آمرو کس وقت کے لیے ہے ؟ اور یہ حکومت
کس کے لیے ہے ؟ میں حکومت سے درخواست کروں گا کہ وہاں کے حالات کے لحاظ سے
جو بھی کام ہونا ضروری ہے کیا جائے اور جو رقم وہاں امداد کے لیے منظور کی گئی
ہے اسکو ٹھیک ڈھنگ سے خرچ کیا جائے

श्री अम्बादीराव गव्हाण (परभणी) :—मिस्टर स्पीकर सर आज जो सप्लीमेंटरी डिमांड्स हमारे सामने रखी गयी हैं और खास तौर पर डिमांड नं (७) और (१३) जिनमें ज्यादा अखराजात बताये गये हैं। वे ऐसे हैं कि जिनके बारे में एक साल पहले जब कि बजट पर डिसकशन किया गया था उस वक्त यह एतेराज किया गया था कि गोरवाला कमेटी की तहत उन अखराजात को कम करना चाहिये और जिस बचत को डवलपिंग प्लान (Developing plan) के तहत किसी अच्छे काम के लिये खर्च करना चाहिये। गोरवाला कमेटी के रिपोर्ट में साफ तौर पर जाहिर किया गया है कि इसको गवर्नमेंट हाऊस और गराज रखने की जरूरत नहीं है और मौजूदा साबिकाना स्कूल वगैरह रखने की जरूरत नहीं है। जिसमें अखराजात कम किये जा सकते हैं। गुजिश्ता साल ऑनरेबल चीफ मिनिस्टर ने मौजूदा साबिकाना स्कूल मनसब का जिक्र करते हुए कहा था कि एक ज्वॉइंट कमेटी (Joint Committee) बनी है और एक साल के अन्दर इन सब चीजों को हम बंद करेंगे। शायद जवाब मुकर्रर की जा रहे हैं मगर अब चीफ मिनिस्टर साहब कहेंगे कि हम इसको कम कर रहे हैं और जागीरदार और ज्यादा कम करने की कोशिश में हैं। मौजूदा साबिकाना स्कूल और मनसब पर जो ज्यादा अखराजात बताये गये हैं उसके लिये चीफ मिनिस्टर साहब कहेंगे कि जागीरदारी की लायबिलिटी (Liability) के तौर पर ये अखराजात हमारे ऊपर आये हैं। जागीरदारी खत्म हुयी इसलिये उनके लायबिलिटिज की जिम्मेदारी हमको अपने ऊपर लेनी पड़ी। जब गवर्नमेंट खुद यह सोच रही थी कि साबिकाना मनसब और स्कूल इस तरह की चीजों को बंद करना चाहिये तो ऐसी हालत में जब कि जागीरदारों को हम अच्छा मुआवजा दे रहे हैं तो लायबिलिटी भी उनके ऊपर डाली जा सकती थी और बहुत आसानी के साथ कहा जा सकता था कि हम अपने ऊपर यह जिम्मेदारी लेने के लिये तैयार नहीं हैं। लेकिन ऑनरेबल चीफ मिनिस्टर शायद हमको बतायेंगे कि एक साथ एकदम ही कानून से जो कि अभी बंद ही जानेवाला है इस तरह की सब चीजों को खत्म करने का हमने इरादा कर लिया था इसी लिये जागीरदारों की लायबिलिटी की जिम्मेदारी हमने ली। लेकिन मेरा यह कहना है कि जब हमारा एक्सचेकर (Exchequer) इस लायबिलिटिज को नहीं मंजूर करता था और जो एक फिजूल खर्च है और जिसके बारे में गोरवाला कमेटी की सिफारिशात हैं कि गवर्नमेंट इस बार को बर्दाश्त करने के लिये तैयार नहीं है, इसके बावजूद गवर्नमेंट इन चीजों पर ज्यादा खर्च करती जा रही है लेकिन इसका कोई हल नहीं सोचती। अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि शिकारगाह को एक्सटेन्शन (Extension) देने के लिये ज्यादा अखराजात किये गये। मैं जानता हूं कि हमारे मिनिस्टरों में किसी को शिकार खेलने का शौक नहीं है क्योंकि वे सब अहिंसक हैं। लेकिन अगर उनमें से किसी को शौक है तो उनको मैं दावत देता हूं कि वे मेरे परभनी जिलाके में आयें। काफी बड़े बड़े सूअर पड़े हुए हैं। मेरे पास हमेशा लोगों से दरख्वास्तें आती हैं कि हमको बंदूक के लायसेन्स दीजिये वरना जानवरों से बहुत तकलीफ हो रही है। लेकिन उनको लायसेन्स नहीं मिलते। हर रोज

किसी न किसी जगह से रिपोर्ट आती है कि किसी की गाय मारी गयी तो किसी का बैल मारा गया। ऑनरेबल मिनिस्टर सुसाहब जिनको शिकार का शौक हो अगर मेरे गाव में आ जायें तो अुनका शिकार का शौक भी पूरा होगा और लोगों की तकलीफ भी दूर होगी। शिकारगाह के लिये जितना रुपया फुजूल खर्च करने की जरूरत नहीं है। जिसमें खर्च कम करने के बजाय सप्लीमेंटरी डिमांड (Supplementary Demand) हमारे सामने पेश की जाती है जो जिसका मतलब यह है कि गवर्नमेंट किफायतशी (Economy) का ख्याल नहीं करती बल्कि अपने पुराने रवैये को जो कि निजामशाही में जारी था अुसको अब भी जारी रखने की कोशिश कर रही है। खासकर यातायात शिकारगाह मनसब रसूम गवर्नमेंट हाअूस गरज जिन सब पर जो खर्च किया जा रहा है अुसको देखकर मुमकिन है कि बाहर से आनेवाले लोग यह नहीं कहेंगे कि हमारी गवर्नमेंट फुजूल खर्च कर रही है। हमारे यहा मेसमान बनकर असेम्बली में आनेवाले और शहरों में घूमने के लिये बाहर से आनेवाले लोग शायद जिससे खुश भी होंगे। लेकिन यहां की आम रियाया फुजूल खर्च है जैसी ही कहती है और रंजकी यह बात है कि जब हम फॅमिन रिलीफ (Famine Relief) के लिये रकम रकम मांगते हैं तो हमसे कहा जाता है कि हमारी हालत को देखिये बजट को देखिये लेकिन हमारे जिस तरह अखराजात बढते रहे हैं और खासकर अुस हालत में जब कि रीट्रेंचमेंट कमेटी की भी जिस खर्च को कम करने की सिफारिशात हैं। लेकिन गवर्नमेंट अुस पर गौर नहीं करती और जिस खर्च को कम करने की सिफारिशात हैं। लेकिन गवर्नमेंट अुस पर गौर नहीं करती और हमारे सामने जिस तरह की सप्लीमेंटरी डिमांड्स पेश करती है तो हम जिसके लिये कैसे मंजूरी दे सकते हैं?

[Mr Speaker in the Chair]

पिछले साल बजट डिसकशन के वक्त हमने काफी रेकमेंडेशन्स किये थे और अुनके सिलसिले में चीफ मिनिस्टर सहाहब ने वादा किया था कि आपकी सूचनाओं के अनुसार हम खर्च कम करने की कोशिश कर रहे हैं। और आपकी बहुत सी रेकमेंडेशंस पर हमने अमल किया है और अेक साल बाद आप ही देखेंगे कि जिन पर अेतराज करने का मौका नहीं रहेगा। लेकिन अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि अुन सिफारिशात पर गवर्नमेंट ने अमल नहीं किया है बल्कि ज्यादा खर्च करके हमारे सामने सप्लीमेंटरी डिमान्डस् रखी हैं जो हम मंजूरी करने के लिये अब किसी तरह तैयार नहीं हो सकते। क्योंकि हैदराबाद की हालत जैसी है कि जहां ज्यादा खर्च किये जाने की जरूरत है वहां तो खर्च नहीं किया जाता लेकिन जो फुजूल चीजें हैं अुन पर ज्यादा खर्च किया जाता है। आज हैदराबाद के कभी हिस्सों में लोग पानी के लिये तड़प रहे हैं। जानवर पानी और चारे के लिये तड़प रहे हैं। अकाल की वजह से जिन जानवरों पर काश्तकार की जिन्दगी मुनहसिर होती है अुनको वे छोड़ देते हैं। दूसरों को दे देते हैं अुनको चारा पानी नहीं दे सकते तो क्या करेंगे? अुनको ज्यादा रकम देने के लिये हमारी गवर्नमेंट के पास पैसा नहीं है, लेकिन फुजूल खर्ची के लिये पैसा है। अैसी हालत में मैं यह साफ तौर से कह देना चाहता हूं कि यह हाअूस जिन डिमांड्स को मंजूर करने के लिये तैयार नहीं है।

[Mr Speaker in the Chair]

म चाहूंगा कि चीफ मिनिस्टर साहब जिस हाउस के सामने जो प्रामिसेस (Promises) देते हैं उनकी वे पाबंदी करें। कम से कम आखिरी जिस हाउस के सामने जो प्रामिसेस करेंगे उनकी पाबंदी करें। इतना कह कर मैं यह चाहता हूं कि म सप्लीमेंटरी डिमांड्स हाउस मंजूर मंजूर न करे।

Mr Speaker I have already decided that the Demands would be put to vote at 6 30 p m I must allow at least 15 minutes to the Chief Minister

مسٹر وی ڈی دیساںئی میں ایک یا دو منٹ لینا چاہتا ہوں مسٹر ڈیمانڈس آرہے ہیں ان کے لیے صرف دو یا تین منٹ ہی ہیں اور بہت جلد ووٹ ہم جائیگی لہذا موجود ڈیمانڈس کے صاحب کو مزید ( ) منٹ جاری رکھنے کی اجازت دیجائے تو مناسب ہے

مسٹر عبدالرحمن ہوا اکنٹ مسٹر دو لاکھ اسی ہزار

مسٹر اسپیکر مہربانی کرکے آج منٹ میں اپنی تقریر ختم کرلیجئے

مسٹر عبدالرحمن مسٹر اسپیکر میں بہت مختصر ہی عرض کرونگا ہمارے سامنے اس وقت دو لاکھ اسی ہزار کا ڈیمانڈ ہے حکومت اس رقم کو کس طرح خرچ کریگی معلوم نہیں جو عمارتیں ہیں یہ رقم خرچ ہوگی وہ ان کسی کے مد ہمارے قبضہ میں نہیں رہیں اون مکانات پر ہمارا حق ملکیت باقی نہیں رہا وہ اون پر تصرف و قبضہ ہمارا ہے بلکہ پولیس ایکشن کے بعد مرکزی حکومت نے ان عمارتوں کو حاصل کرلیا اور وقت حکومت حیدرآباد اور مرکزی حکومت کے درمیان ایک معاہدہ ہوا اس معاہدہ کے لحاظ سے ہم پر کوئی ذمہ داری باقی نہیں رہی اگر اس سلسلہ میں کوئی معاوضہ کسی رقم کا مرکز دیتا ہے تو ہماری حکومت قانونی طور پر اسکو لینے کی مستحق ہے کہ اب مرکزی حکومت سے اس کا تعلق ہو گیا ہے اسلئے وہاں رجوع ہوں اس سلسلہ میں ہم کو مرکزی حکومت سے کوئی مدد حاصل کرنا ہے جس کہ ہمارا موازنہ ہے اس کے علاوہ کئی رہائشی کام ہیں جو تکمیل طلب ہیں ہمارے پاس اور بھی بہت سے ایسے مدات ہیں جن کے لیے پیسہ خرچ کرنا ہے لیکن پیسہ کی کمی ہونے کی وجہ سے ہم اس کی تکمیل نہیں کررہے ہیں وہ اسکے منظور کرنے میں ہم کو کوئی تکلیف نہیں ہوتی ایسا معلوم ہو رہا ہے کہ ہماری حکومت مرکزی حکومت کو اس بارے میں سمجھنے کی سعی نہیں کرسکی جسکی وجہ سے ہماری موجودہ بلاوجہ ان عمارات پر جن کے متعلق ہمارا کوئی حق ہے نہ ہم اون سے استفادہ کرسکتے ہیں خرچ ہو رہی ہے کیا یہ دو لاکھ اسی ہزار لوکل سلف گورنمنٹ منسٹر صاحب کو ہی دے جائے کہ وہ حیدرآبادی عوام کے لیے دو چار ہزار مکانات بنادیں ایک طرف تو یہ آج کل کے جو چھوٹے چھوٹے مکانات ہیں اون کا کرایہ ڈبل کیا جا رہا ہے اور دوسری طرف اس طرح ہمارا پیسہ پانی میں ڈالا جا رہا ہے

دوسرے ڈیمانڈ کے متعلق یہ مجھے کہنا ہے کہ پروبیشنر تحصیلداروں کے لیے
اکیس ہزار روپیہ خرچ کیے جا رہے ہیں اگرچہ کہ یہ رقم خرچ کی جانی ضروری ہے
کیونکہ ان لوگوں کو ٹریننگ دینا ضروری ہے لیکن یہ مانا جائے کہ ان اکیس ہزار
روپیوں سے جو پروبیشنر تحصیلداروں کی ٹریننگ اور الاؤنس وغیرہ کے لیے رکھے گئے ہیں
کہاں تک صحیح استفادہ کیا جا رہا ہے ان لوگوں کو ... قانون کا کچھ صرف
یہی رہا میں نے اس سے پہلے بھی مجلس ... کے کام کے سلسلہ میں عرض کیا تھا اور
اب بھی عرض کرتا ہوں کہ مال کے عہدہ داروں کے قانون داں نہ ہونے کی وجہ سے رعایا کو
آئے دن مشکلات ہو رہی ہیں ... ہوئی جو مال کے عہدہ
داروں کے لیے ... ہے ... مال کے عہدہ داروں کی قانون دانی کی ایک مثال
... ہوں ... ایک تحصیلدار صاحب ہیں جن کے ہاں ... مال اور
ککری سے ... کے لیے بھیجے جاتے ہیں ... مرافعہ سے ایک کارروائی
کے سلسلہ میں ... ہوتا ہے کہ ... تحقیقات کی جائے لیکن تحصیلدار صاحب
... مسل داخل دفتر کر دیتے ہیں ... مسٹر صاحب
سے ... سکتا ہوں کہ ... تحقیقات کے لیے جب مسل آتی ہے ... پر داخل
دفتر کرنے کی ... کرنا ... لگانداری کے ... کے مولداروں کو
ضبط لگانداری کے ... جاری کرنے کے احکام ہیں لیکن ...
ایسے مولداروں کو بھی ضبط لگانداری کے ... جاری ہوئے ہیں ... اسکے
خلاف رجوع ہوا اور درخواست پیش کرتا ہے جس کے ... کی جاتی ہی
منسلک کرتا ہے ... وغیرہ بھی داخل کرتا ہے لیکن تحصیلدار صاحب غور کرے
بن کہ مسل داخل دفتر ... تحقیقات ... کہ تحصیلداروں
کو اس کا ... کہ ... قسم کی غور کرے ... لگانداری کے ... کا تصفیہ
جو کچھ کرنا ہے ... کے ... کی ہے ... اسی
کی غور نہیں کر سکتا لیکن جب ... تحصیل ... نہیں
ہوتی ہیں نہ تحصیلدار صاحب ... ہیں کہ مسل داخل دفتر ... ان کے ...
پھر فریق درخواست پیش کرتا ہے کہ کچھ ... ہوا ہے ... لکھتا ہے کہ
اس کارروائی میں تحقیقات ہونی چاہیے اس لیے کمشنر کے پاس درخواست بھیجی جاتی ہے
کہ ... کے ... تصفیہ ہوسکے لیکن تحصیلدار صاحب لکھتے ہیں کہ مسل
داخل دفتر ہو ... اسلئے میرا خیال ہے کہ مال کے عہدہ دار قانون داں نہ ہونے کی وجہ سے
ایسی مشکلات پیدا ہو رہی ہیں مال کے معاملات میں اکثر قانون سے واسطہ ہوتا
ہے لیکن جب تک عہدہ داروں میں قانون فہمی نہ ہو تو اس وقت رعایا کو مشکلات
پیش آتی رہیں گی ... ہونی چاہیے اس لیے میں آنریبل ... مسٹر صاحب
سے درخواست کرتا ہوں کہ مال کے عہدوں کے لیے کم از کم قانون داں اشخاص کو لیا
جانا چاہیے ... ہماری یونیورسٹی سے جب سے ... نکل رہے ہیں اون کو لیا
جاسکتا ہے اور قانون سے صحیح طور پر استفادہ کیا جاسکتا ہے تب ہی ہم ان
مشکلات کو دور کرسکیں گے

سری کٹارام ریڈی : مسٹر اسپیکر میں نے جنرل اڈمنسٹریشن پر ڈسکشن کا موقعہ میں کہا تھا کہ مجھے یہ شکایت ہے کہ حکومت کے عہدہ داروں کا رویہ درست نہیں ہے جب کبھی ہماری جانب سے واقعات بیان کیے جاتے ہیں تو اون پر کوئی توجہ نہیں دیتے بلکہ جوابات میں یہ کہکر جواب دئے جاتے ہیں نہ یہ نہیں کہا جاتا کہ اپنی صحیح کارگزاری اعداد و شمار کے ساتھ پیش کی جائے

اس وقت ہاوز کے سامنے سپلیمنٹری گرانٹس آئے ہیں میں اس معاملہ میں ہاوز سے یہ کہونگا کہ بجٹ جو بنایا جاتا ہے اس کے لیے تو ایک مہینہ صرف کیا جاتا ہے اسکے باوجود پھر سپلیمنٹری گرانٹس پیش کرنے کا مقصد کیا ہے آخر کیوں ہر آئٹم پر سپلیمنٹری گرانٹ لائے جاتے ہیں میں ہاوز سے یہ کہنا چاہتا ہوں اگر حکومت اپنی انکم بڑھانا چاہتی ہے اور اپنی کارکردگی میں اضافہ کرنا چاہتی ہے تو خود کو پابند موازنہ رکھنا چاہیے اور جو موازنہ اس کو دیا جاتا ہے اوس پر عمل کرنے کی کوشش کرنی چاہیے آپ خود جب پابند موازنہ نہیں رہیں اور اپنی ضروریات کے لیے سپلیمنٹری گرانٹس مانگتے ہیں تو پھر معمولی لوگوں سے کیسے یہ توقع کرسکتے ہیں کہ وہ انکم سے کام کرینگے ؟ جب حکومت کے اعلی ترین عہدہ دار اور ذمہ دار لوگ خود پابند موازنہ نہیں رہیں اور سپلیمنٹری بجٹ پیش کرتے ہیں تو پھر دوسرے لوگوں سے کیسے آپ توقع کرتے ہیں کہ وہ پابند موازنہ رہینگے ؟ دوسری چیز یہ ہے کہ معمولی حالات سے ہٹکر جو زیادہ خرچ کیا جاتا ہے جس کے لیے سپلیمنٹری ڈیمانڈ کی ضرورت ہوتی ہے لیکن اس کا حساب بھی پیش نہیں کیا جاتا میں پوچھتا ہوں کہ اب اس کا حساب کیوں نہیں بتاتے ؟ کیوں اس کی رپورٹ ہم کو نہیں دیتے کہ اس سلسلہ میں اوس سلسلہ میں زائد خرچہ ان وجوہات کی بنا پر ہوا ایسی کوئی صراحت آپ نہیں کرنا چاہتے پھر کیسے اسکی منظوری دیجائے ؟ عام طور پر موازنہ کے جو اصول ہیں اون سے ہٹکر اگر خرچ کیا جائے تو اس طرح کے زائد اخراجات ہونگے

اس سے پہلے بھی میں نے ریمارک کیا تھا کہ ہر ڈپارٹمنٹ میں کنٹنجنسی (Contangency) کے جب رقومات حاصل کیے جاتے ہیں لیکن موازنہ میں اس کی تفصیلات نہیں رہتیں اور ہاوز کے علم میں یہ خبر نہیں آتی کہ یہ رقم کس طرح خرچ کی جا رہی ہے ان سپلیمنٹری گرانٹس کے معاملہ میں کوئی تفصیلات پیش نہیں کیے گئے اصل موازنہ میں بھی اسکو شریک نہیں کیا گیا ایسی صورت میں کیا ہاوز یہ خواہش نہیں کرسکتا کہ ان رقومات کے خرچ کے متعلق تفصیلات معلوم ہوں ؟ اس لیے آنریبل ممبرس کو وہ چاہے اس طرف کے ہوں یا اوس طرف کے یہ شبہ ہوتا ہے کہ یہ رقم کس طرح خرچ ہوگی آپ عوامی حکومت کے نظریہ سے حکومت چلانے کا دعوی تو کرتے ہیں لیکن اپنے آپ کو سدھارنا نہیں چاہتے اس لیے میں حکمران پارٹی سے دریافت کرونگا کہ وہ کس محض (Basis) پر اس سپلیمنٹری موازنہ کو قابل منظوری قرار دے رہے ہیں ؟ مجھے معلوم ہے کہ ان کی مجبوری ہے جس کی وجہ سے یہ ڈیمانڈس

مطلوب بھی ہو جائینگے لیکن یہ صرف ہی آپ کے پیش نظر رہنی چاہیے کہ جو سپلیمنٹری ڈیمانڈس آئے ہیں اون کا کہنا ضروری ہو گیا ہے ۔

عمری بمرات کے معاملہ میں اس سے پہلے کافی سے زائد مباحث ہوچکے ہیں اور ریمارکس کیے گئے ہیں اب ہیوی اڈمنسٹریشن (Top heavy Administration) چل رہا ہے عمری ویسٹ کونٹ (Grants) کیے جا رہے ہیں اور اس پر ہزاروں روپے خرچ کیے جا رہے ہیں کیا ان گرانٹس (Cash grants) میں لاکھ روپیہ کم کیے گئے ہیں لیکن اس کے لیے بھی ایک رقم آ موجود ہا لگا ہے جس کے لیے (۳۹۲۸) روپے خرچ کیے جا رہے ہیں میری سمجھ میں نہیں آتا کہ کیوں یہ کام ریونیو بورڈ کے لوگوں کے سپرد نہیں کیا گیا ہے کہ وہاں کافی آدمی کام کرتے ہیں ؟ ریونیو بورڈ میں جو لوگ کام کرتے ہیں اون کا کوئی کام تو ہمارے سامنے نہیں آتا میرا یہ کہنا ہے کہ اگر ایجنسی کے لیے پیسہ خرچ کیا جاتا ہے تو اوس کا حساب بھی ہم کو بتایا جائے گذشتہ سال ہزار روپیہ اس سلسلہ میں خرچ کیے گئے لیکن اوس کا حساب بھی تو پیش کیجیے آپ کہینگے کہ جب ہم حکومت چلا رہے ہیں تو ہم پر بھروسہ کیوں نہیں کیا جاتا ہم آپ پر بھروسہ تو کرتے ہیں لیکن ہم آپکو ایک مرتبہ ایسی عادت ڈالنا نہیں چاہتے میرا اس کے متعلق صحیح اعتراض ہے کہ جو کچھ بھی سپلیمنٹری گرانٹس آئے ہیں اور جن غیر معمولی اخراجات کے لیے وہ چاہے جاتے ہیں اون کی وجوہات بھی ہاؤز کے سامنے پیش ہونی چاہئیں اس کے متعلق رپورٹ ہاؤز کو ملنی چاہیے کہ ان ان حالات کی وجہ سے سپلیمنٹری گرانٹس حاصل کرنا پڑا یہ مناسب نہیں ہے کہ ہر مرتبہ سپلیمنٹری گرانٹس کے نام سے دو دو ڈیڑھ کروڑ روپیہ حاصل کرلیے جائیں گذشتہ سال خسارہ کا بجٹ پیش کیا گیا لیکن دو کروڑ روپیہ اسی طرح حاصل کیے گئے اس کی مثال تو ایسی ہے کہ جیسے ایک کنبہ کا سربراہ اپنے مفاد کے لیے جس طرح چاہے خرچ کرلے لیکن حسابات خسارہ کے بتائے ہم اس کا مطلب نہیں سمجھ سکے اس لئے میں ہاؤز سے خواہش کرونگا کہ وہ گورنمنٹ سے مطالبہ کرے کہ جن غیر معمولی حالات کے تحت سپلیمنٹری گرانٹس مانگے جا رہے ہیں وہ کیا ہیں اسکی رپورٹ پیش کی جائے تاکہ آئندہ اس پر توجہ دی جاسکے

شری بی رام کسن راؤ جو کٹ موشن سپلیمنٹری گرانٹس کے بارے میں پیش کیے گئے ہیں اون کے تعلق سے میں مختصراً جواب عرض کرنا چاہتا ہوں ریونیو تحصیلداروں کے سلسلہ میں ڈسکس کرنے کے لیے دو کٹ موشن (Cut motion) آئے ہیں واقعہ یہ ہے کہ یہ پروبیشنر تحصیلدار اس سال رکروٹ (Recruit) نہیں کیے گئے ہیں بلکہ اس سے پہلے رکروٹ کیے ہوئے لوگ ہیں جو ان گورنمنٹ کے فارم (Form) ہونے سے پہلے رکروٹ کیے گئے تھے جملہ تحصیلدار رکروٹ ہوئے تھے اور یہ رکروٹمنٹ پبلک سروس کمیشن کی طرف سے کیا گیا تھا اس طرح جو لوگ رکروٹ کیے جاتے ہیں انکے بارے میں قیاس کیا جاتا ہے کہ وہ کوالیفائیڈ (Qualified) ہیں

شری وی ڈی دیشپانڈے کیا آنریبل منسٹر جانتے ہیں کہ پبلک سروس کمیشن نے یہ ریمارک کیا ہے کہ ان میں سے (۳) نان ملکیز (Non mulkies) ہیں ؟

شری بی رام کرشن راؤ جو کچھ ہوا ہوا میں ملکی ان ملکی کی بحث میں نہیں کر رہا ہوں اگر وہ ایفیشنٹ (Efficient) ہوتے تو ظاہر ہے کہ پبلک سروس کمیشن انہیں نان ملکی (Non mulki) ہونے کے باوجود منظور نہ کرتا یہ لوگ پہلے سے کام کرتے آئے ہیں

شری وامن راؤ دیشمکھ کیا یہ صحیح ہے کہ ان میں سے دو مسلمان ہیں اور باقی (۸) رہتی ہیں ؟

Mr Speaker Order Order

Shri B Ramakrishna Rao I don t want to be interrupted in my speech

بہر حال پچھلی گورنمنٹ نے پبلک سروس کمیشن کے ذریعہ انکا انتخاب کیا ایک آنریبل ممبر نے کہا کہ تحصیلدار صاحب کے پاس سل تکمیل حساب کے لیے بھجوائی گئی تو انہوں نے اسکو داخل دفتر کردینے کی تجویز کی ہے میں یہ کہونگا کہ ہم نے جو ٹریننگ دلوائی ہے اس میں کم از کم اسی بات کی تعلیم وہ نہیں دیگئی میں ہاؤس کو یقین دلاتا ہوں کہ ۲۰ ہزار کی رقم اسی ٹریننگ پر خرچ نہیں ہوئی ۲۰ ہزار کی جو رقم صرف ہوئی ہے وہ ان (۴) پروبیشنر تحصیلداروں کے ٹی اے اور ڈی اے پر صرف ہوئی ہے یہ رقم اب اسلئے مانگی جا رہی ہے کہ پہلے اسکا کوئی پراویژن (Provision) نہیں تھا پبلک سروس کمیشن سے وہ لوگ منتخب ہوئے انہیں ٹریننگ دینا لازمی تھا ٹریننگ دیگئی تو اس پر خرچ ہونا لازمی تھا اور جب خرچ کیا گیا اور اس کے لیے پراویژن نہیں تھا تو یہ سپلیمنٹری ڈیمانڈ لانا بھی لازمی ہوگیا یہ لاجک (Logic) ہے اس کے لیے ہم بالکل مجبور ہیں ۲۰ ہزار کے ٹی اے بل وغیرہ رکے ہوئے تھے جس سے ان لوگوں کو تکلیف ہو رہی تھی ایک آنریبل ممبر نے جن تحصیلدار صاحب کا ذکر کیا ممکن ہے وہ ان (۴) پروبیشنر تحصیلداروں میں سے ہوں جن کے لیے یہ رقم آج مانگی جا رہی ہے ہوسکتا ہے کہ کوئی (۴) سال کا بیکلز ہو

شری وی ڈی دیشپانڈے کیا یہ لفظ بیکلز پارلیمنٹری ہے ؟

شری بی رام کرشن راؤ بیکلز کا مطلب ہے جمع شدہ کام اس لحاظ سے میں نے کہا آنریبل ممبر نے جس واقعہ کا ذکر کیا مجھے اس سل کا بیان دس بیس یہ نہیں

دلیم ـ حسمات ہوگی ہیں اس بل کو نکو نر دیکھونگا کہ انہوں نے کس طرح عوبر کی اور الا دست عہد داروں سے ان کون عور بیچ کیا عرض یہ ہاں اسی ہے کہ پراؤ رن ہونے کی وجہ یہی اسکی سب ڈیمانڈ لانا پڑا

دوسری حیز یہ کہ ملکاجگری کی رس کے بارے میں اعتراض کیا گیا ہے لیکن یہ وہی رقوم ہیں جو حاصل کی ہوئی ہے باب نیچے میں تحصیلداروں کے سلسلے میں کچھ معلومات دینا چاہوں گا پہلے اظ ندکر ختم کیے دیتا ہوں تحصیلداروں کو (۲) مہینے کی ٹریننگ دی جاتی ہے ۳ مہینے مزید ملتے ہیں ریننگ Revenue)ک ۸ مہینے ریوینیو ٹریننگ (Survey Settlement Training) Training)اور ریونیو ڈپارٹمنٹ میں ایک مہینے کی ٹریننگ یعنی ۸ دن پٹواری کاکام بھی سکھلایا جاتا ہے کسی پٹواری کے دفتر کے رجسٹر پہ بٹھلائے جاتے ہیں اس طرح ایک سال کی ٹریننگ ہوتی ہے انہیں الونس بروجہ مزید ملتا ہے (۱) روپیہ دیا جاتا ہے سرٹی ایٹ اور ڈی ایٹ بھی دیا جاتا ہے

ملکاجگری کی رس کے بارے میں سنہ ۹ ع میں فرمان مبارک سرفصنور لایا تھا یہ فرمان مدرالمہام اسکار صاحب بنام السامعا کے نام کیا ہے آپکی رائے مورخہ دی دفعہ سنہ ۲۳ ھجری ہی ۲۲ جنوری ۱۹۳۹ ع سے پورا اتفاق ہے اس بارے میں ساار جنگ کے وقت جو عام عور ہوں و عمال رہے تھی معاوضہ گورنمنٹ آف انڈیا سے ہرگز نہ لیا جائے ور ایسی رہائش جو جاگیری ہیں انکا معاوضہ خود ہماری گورنمنٹ کی طرف سے دیے جانے کا عام اصول جو جسٹہ عدالت نے بیان کیا ہے پاسب ہے ۱۹۴۸ ع کا فرمان حال حال تک جاری تھا یہ رمیں انڈین آرمی (Indian Army) کے لیے حاصل کی گئی تھی جاوس کو معلوم ہوتا ہے کہ انڈین آرمی کے لیے جو رہائش حاصل کی گئی تھیں کنٹونمنٹ ایریا (Cantonment Area) وغیرہ ان رہائش کا معاوضہ حیدرآباد گورنمنٹ دیتی تھی اور گورنمنٹ آف انڈیا یہ معاوضہ نہیں دیتی تھی اسی کے سب معاوضہ کا ایک مسئلہ لیکن معاوضہ جوار معاوضہ سے بازرہ رہا اس نے کہا کہ یہ معاوضہ کافی نہیں ہے انہوں نے عدالت میں رجوع ہو کر ۲ لاکھ ۳۴ ہزار روپے کی ڈگری حاصل کی اور زائد رقم ہمیں ادا کرنا پڑا حیدرآباد آرمی انڈین آرمی میں انٹگریٹ (Integrate ہوئے وقت بھی جو معاہدہ ہوا اس لحاظ سے بھی یہ رقم ہمیں ادا کرنی پڑی ہے یہ رمیں بالکل قواعد کے تحت لگی ہے یہ ۲ لاکھ کی رقم ان پروواسڈ بیالنس (Unprovided Balance) ہے جو نے ایبل (Payable) ہے

شری وی ڈی دیسپانڈے یہ معاوضہ کس شخص کو دیا جاتا ہے ؟

شری بی رام کشن راؤ یہ مسٹر واردھا رنڈی ملکاجگری کے ؛ دارمیں اور رمیں (۳۰۲) ایکڑ ہے عدالت سے ڈگری ہونے کے بعد لازماً یہ رقم دینا پڑتا ہے اس طرح ڈیمانڈ نمبر (۲) کی نسبت جو کٹ موشن پیش ہوئے ہیں دیکھے

بارے میں میں سمجھتا ہوں کہ جہاں تک میرے دس میں ہے میں نے ما سے اکری
(Satisfactory) جواب دیا ہے

ڈیمانڈ نمبر (۸) (۹۹۹۲۲) روپے کے کسمرا ڈرڈیمانڈ (Extra
further Demand) میں دو میں (Items) ہیں گورنمنٹ ھاوس
(Government House) اور منسٹرز اینڈ سکرٹریٹ اسٹابلشمنٹ
(Ministers and SecretariatEstablishment) کے لئے ہیں یہ ڈیمانڈ ہے
سکار گا اور دیگر کنٹنجنسیز (Contingencies) کے بارے میں
میں عرض کر دینا چاہتا ہوں مد ( ) ھزار روپے کا جو ڈیمانڈ جاری ہوا ہے
ٹائرز اینڈ ٹیوبس کی خرید (For the purchase of tires and tubes etc) کے
بارے میں ہے اس سلسلے میں ٹائرز اینڈ ٹیوبس بہت زیادہ لگتی کستر دم آواز
میں کہا گیا زیادہ زور دے اور کم زور ہے کی یہی وجہ ہے اس میں شک نہیں
کہ اس رقم کا زیادہ حصہ ٹائروں کی خریداری میں صرف ہوا وجہ یہ ہے کہ اس
گورنمنٹ کے آنے کے بعد کوئی نئی کار نہیں خریدی گئی پرانی کاروں میں سے کئی کاریں
سعکہ ۸ ۹ ھور کی نکمی کی گئی ۳ منسٹروں کو ۳ کاریں دی گئیں منسٹر کو
ایک زائد اسطرح ۱۳ کاریں دی گئیں میں کہ سکتا ہوں کہ اب بہت کم کھا سکتا ہوں بعد
میں آپ کی حاجت بر غلط نکلے وہی ممکن ہے کہ درمیان میں بے کار ہو گئے ہوں
لیکن ٹائروں اسی وجہ سے گاڑیوں پر استعمال ہورہے ہیں جسکہ کافی اب بھی آئی ہیں اس
طرح دو ڈھائی برس پرانے ہو گئے ہیں بات یہ ہے کہ ہم سڑیں ذرا زیادہ دور کرنے
کے عادی ہیں کچھ لوگوں کے پبلک جاری یہ عادت اچھی ہے کچھ لوگوں کے
ڈرائیونگ بری ہم حال دو سے زیادہ ہونے کی وجہ سے ویئر اینڈ ٹیئر (Wear & Tear)
زیادہ ہو اہے پورے ٹائر ہو اور جو پچھلے دو سال میں ری پلیس نہیں کئے تھے
انہیں ہر سال کی ضرورت بھی اسلئے اڈیشنل (Additional) صرفہ ہوا
ہے اس میں شک نہیں کہ اینٹی سپیشن (Anticipation) کر کے
اسکو بجٹ اسٹیمیٹ (Budget Estimate) میں پیش کیا جاسکتا
تھا لیکن اس وقت اندازہ نہیں ہوا کہ اتنی جلد یہ ٹائرز اور ٹیوبس ختم
ہو جائیں گے پرانے ٹیوب بدلنے ری پلیس (Replace) کرنے کی ضرورت
ہوگی اس سے زیادہ جسٹیفیکیشن (Justification) میں اس
معاملے میں آپ کے سامنے پیش نہیں کرسکتا وہ یہی ہے لاکھ کے حد کو کم کرنے
کیلئے اپنی اکانمی (Economy) کی ہے اور ہم ہر طرح اکانمی کی کوشش
کر رہے ہیں

ایک آنریبل ممبر نے کہا کہ پیپلز گورنمنٹ (Peoples Government) راج
کر رہی ہے ڈیماکریسی (Democracy) کا زمانہ ہے ڈیماکریسی
میں سرکار کے جسم کے اصول یہی ہونا چاہیے انہیں کسطرح ٹالریٹ
(Tolerate) کیا جا سکتا ہے جو ہمارے اور اپوزیشن کے ممبروں کے ڈیماکریسی

کے نظریے میں فرق ہے لیکن ڈیموکریسی سے شکار کا کا طرح حصہ (सबष)
ہے سمجھ میں نہیں آتا ڈیموکریسی میں بھی وائلڈ اینیملز (Wild animals)
اور سنکچوری (Sanctuary) کو اہمیت دی جاتی ہے گورنمنٹ نے
اتنا ہی نہیں اپنے فائیو ایئر پلان (Five Year Plan) میں سانکچوریز
(Sanctuaries) کا ہونا بہت ضروری ہے ان جانوروں کو ڈائرکٹیو
(Directive) کے طور پر تمام اسٹیٹس میں بھیجا گیا ہے ہم
سمجھتا کہ میں یہ شوٹنگ سنٹرس (Shooting Centres) داخل نہیں
میں غلط خیال ہے گا یا سمجھا جائے (آرٹ (Art) امپس (Palaces)
کلچرل انسٹیٹیوشنس (Cultural institutions) یہ سب اصول
جاسکے ہمارے ارکان دوستوں کے نقطہ نظر سے تو صرف ماس کے پیٹ بھرنے اور
انکے کھانے کا سوال ہی ڈیموکریسی ہے ان تمام اصول طرح سمجھی جاکر
ہم کرد ی جائے یہ خیال غلط ہے ہم نے ڈیموکریسی کے جن اصول کو مانا ہے
اس کے لحاظ سے ہم چل رہے ہیں ولوڈی گورنمنٹ کے زمانے میں شکار گاہ کے
ایک لاکھ ۹ ہزار کے بجٹ میں سے (۲۲) کی بچت کی گئی پہلے سرور نگر
پاکھال اور ناگندم ان مقامات پر شکار گاہیں تھیں ان میں دو شکار گاہوں کو
ڈسبانڈ (Disband) کردیا گیا ایک شکار گاہ باقی ہے اسلئے کہ امرکے
ملازمین مخصوص کے ہیریڈیٹری (Heridatory) ہے جس تک کہ
ان کی گریجوٹی (Gratuity) وغیرہ کا تصفیہ ہو انہیں ڈسبانڈ نہیں کیا
جاسکتا تھا اسلئے ان کی سروسس (Services) کو اکسٹنڈ (Extend)
کردیا گیا اس اکسٹنشن (Extension) کی وجہ سے یہ خرچ آیا ہے اور
اسی کی منظوری چاہی جا رہی ہے

شری بلدیو واسدیو سنہ ۱۹۵۲ ء میں ورنگل سرکار کے زمانے میں کتنے
مسمریں کہاں کہاں کارکھلے ہیں ؟

شری بی رام کشن راؤ ہمارے مسٹرمس ن و جاس (Non violence)
پر عقیدہ رکھنے والے ہیں ان میں سے اکبر اورکم ازکم میں اپنی حدتک یہ کہہ سکتا
ہوں کہ میں بندوق چلانا تک نہیں جانتا ہوسکتا ہے کہ سب کے سب نہ جانتے ہوں
یا کوئی جانتے ہوں

شری وی ڈی دیشپانڈے کم ازکم ہوم منسٹر تو جانتے ہونگے
(Laughter)

شری بی رام کشن راؤ پولیٹیکل اپونینٹس (Political Opponents)
کا شکار کیا جاتا ہے لیکن وہ بھی بندوق سے نہیں بلکہ کاغذ اور قلم سے جس کے لئے
کسی زائد رقم کی ضرورت نہیں ہوتی ان کے شکار (शिकार) کے مسئلہ

([illegible]) اس طرح کے ... جیسے کہ اردو میں ہے ان سے پہلے ذکر کیا تھا

(Laughter) ،

بہر حال ایک سرکار کا کوئی سو (Continue) کرنا رہا ہوں اس پر بھی میں عرض کروںگا کہ کتا دراصل اسکی مرووب ہے یعنی ... میں ہاؤس سے اپیل کرونگا کہ وائلڈ مٹلس (Wild animals) کو بھی ہمارے سب کا کچھ حصہ ملنا چاہئے

اب دوسری حروف کر کے اپ سے کچھ عرض کرونگا ۔ الاسل کسیمسر (Additional Contingencies) کا ایک ائم (Item) ہے جس کے بارے میں آنریبل ممبر نے یہ اعتراض کیا ہے کہ اس کی تفصیلات نہیں بتائی گئی ہیں اس سلسلہ میں اتفاق ہے میں اس کو تسلیم کرتا ہوں لیکن اس بارے میں تمام ڈپارٹمنٹ سے گفتگو کرنے کے بعد میں کہہ سکونگا کہ وہ کونسی ضروری مدات تھیں جو نہیں بتائی گئی ہیں ۔ میں نو ٹی ممبر سے وعدہ کرتا ہوں کہ مطلوبہ تفصیلات بتادی جائیں گی ۔ اڈیشنل کنٹجنسیز گرانٹ (Additional Contingencies Grant) جو مانگا گیا ہے وہ کلیرنس آف ویسٹ اسٹینڈنگ بلس (Clearance of Outstanding Bill) اوٹ اسٹینڈنگ بلس آف الکٹرسٹی چارجس اینڈ پرچیز آف ٹائپ رائٹرس (Outstanding Bills of Electricity charges and purchase of Typewriters etc)

کے لیے مانگا گیا ہے ۔ چھ ہزار کے چارج ائم (Charge item) کی طرف بھی اشارہ کیا گیا ہے اس کے متعلق کہنا یہ ہے کہ منسٹری سکریٹری آف راج پرمکھ کا اسٹیٹیوشن (Institution) ابالش (Abolish) ہوچکا ہے لیکن پچھلے جو چارجس (Charges) دینے کے تھے اور زمانے کے جس زمانے میں یہ اسٹابلشمنٹ (Establishment) تھا ان کے بارے میں یہ مطالبہ ہے ۔ اب جو ملٹری سکریٹری ہیں ان کا عہدہ راج پرمکھ برداشت کرتے ہیں گورنمنٹ نہیں کرتی اس کا بار نہیں پڑتا دوسرے یہ کہ پبلک سروس کمیشن کے متعلق ہے (۲ ۶۸) روپیہ کا چارج ائم (Charge Item) دیا گیا ہے وہ ایسا مرحلہ ہے جس کے بارے میں کٹ موشن پیش کیے گئے ہیں ان اخراجات کا ٹوٹل (Total) جس میں چارج ائم بتایا گیا ہے (۲) ہزار روپیہ ہے پبلک سروس کمیشن کے ڈسکشن (Discussion) ہونا چاہیے تا ہم یہ اور بات ہے راج پرمکھ کی منظوری حاصل ہونے کے بعد رولس (Rules) بنائے گئے ہیں

In accordance with Clause 5 of Article 320 of the Constitution I lay on the table of the House a copy of the Hyderabad Public Service Commission (Consultation) Regulation, 1952 made by the Rajpramukh in exercise of the powers vested in him under proviso to clause 3 of Article 320 of the Constitution

اس بارے میں رولس ۸ ھیں یہ ان رولس کو کامی سوس کے عصے راج رسکھ
کی منظوری حاصل ہے اور ۱ ۲ ۹ ع کو ان سے ایوا ہاوز کے سامنے پیش
کیا ہے

CLAUSE 5 OF ART 320

All regulations made under the proviso to clause (80) by the President or the Governor or Rajpramukh of a State shall be laid for not less than fourteen days before each House of Parliament or the House or each House of the Legislature of the State as the case may be as soon as possible after they are made and shall be subject to such modifications whether by way of repeal or amendment as both Houses of Parliament or the House or both Houses of the Legislature of the State may make during the session in which they are so laid

یہ ۱ جسمبت ہاوز میں دیے ہوئے ہیں سے ہاوز کے سل پر رکھا ہے جو اس آرٹیکل
کی رو سے لازمی کیا گیا ہے

سری اے راج ریڈی سمرا مکر سے کہا تھا کہ اس کی کاپیاں تقسیم کی جائیں
لیکن آج تک اس کی کاپیاں نہیں دی گی ہیں

شری بی رام کسن یہ مکاب رلم کی جا سکی ہے اس کی کاپیاں حھاپ کر دے
دی جاینگی

شری وی ڈی دیسپانڈے کا بیان دھا ہی تو سکی تھا کہ ہم اس میں
کچھ ترمیمات پیش کرتے لیکن اس وقت ہمیں غلط فہمی میں رکھکر یہ کہا
جا رہا ہے کیونکہ ترمیمات وہاں پیش کی گئی ہیں لہذا ہمیں پبلک سروس کمیشن کو
ریفر (Rofer) کرنے کی ضرورت نہیں ہے ہمارا احساس یہ ہے کہ جان بوجھکر ایسا
کیا گیا ہے تاکہ ہم کو غلطی میں رکھا جائے

شری بی رام کسن راؤ میں اس طرح (Refer) کو تسلیم کرنے کے لیے
تیار نہیں ہوں کیونکہ قانون قابل کی مدد نہیں کرتا (Laughter)
میں نے غلطی میں نہیں رکھا میں نے صاف طور پر صراحت کی ہے اس کے کلاز
میں لکھا ہے کہ

Provided that the President as respects the All India Services and also as respects other services and posts in connection with the affairs of the Union and the Governor or Rajpramukh as the case may be as respects other services and posts in connection with the affairs of a State may make regulations specifying the matters in which either generally,

or in any particular class of case or in any particular circumstances it shall not be necessary for a Public Service Commission to be consulted

اس میں صاف الفاظ میں اگر وہی سیشن (Session) میں آنریبل ممبر ترمیمات لائے اور کاموں کی سکیم کی بابت ہو کاماں دی جاتی اور صاف سی ہوسکتی تھی

شری اے راج ریڈی حکم ہو دیا گیا تھا کہ کام ان ہاں کی وہ بھی دیکھیں

شری وی رام کشن راؤ آنریبل ممبر کو کہنا یہ چاہیے تھا کہ ہم بھی بھول گئے ہیں میں سمجھتا ہوں کہ اگر آنریبل ممبر یہ بھولے ہوئے اور چاہیے تو کاموں کے بارے میں یاد دہانی کرکے ترمیمات پیش کرسکتے تھے کاموں کے ذریعے اصرار کیا جاسکتا تھا غرض یہ کوئی ایسی خبر نہیں ہے کہ جس میں کوئی اہمیت ہو ٹمپریری اسٹابلشمنٹ (Temporary Establishment) کی مصارف ادا کی گئی ہیں جس کی وجہ سے اضافہ ہوا ہے واقعہ یہ ہے کہ سپلیمنٹری منظوریاں لینی ہیں کیا کریں ضروری ہے گورنمنٹ کے کاروبار چلانے کے لیے ایسا کرنا ہی پڑتا ہے اس لیے میں آنریبل ممبر سے خواہش کروں گا کہ وہ اپنے کٹ موشن واپس لیکر سپلیمنٹری گرانٹس کو منظور کرلیں

Mr Speaker I shall now put the motions for reduction of grants to vote

DEMAND NO 2 LAND REVENUE

TRAINING EXPENSES OF PROBATIONARY TAHSILDARS AND THE POLICY OF RECRUITMENT

Shri Ankushrao Ghare Mr Speaker Sir I want my cut motion to be put to vote

Mr Speaker The question is

That the grant under Demand No 2 be reduced by Rs 100 The motion was negatived

PAYMENT FOR LAND ACQUIRED AT MALKAJGIRI

Shri Mohd Abdul Rahman I beg leave of the House to withdraw my cut motion

The motion was by leave of the House, withdrawn

DEMAND NO 7 GENERAL ADMINISTRATION GOVT HOUSE MINISTERS & SECRETARIAT ESTABLISHMENT

Shri Daji Shankar Rao I beg leave of the House to withdraw my cut motion

The motion was by leave of the House withdrawn

EXTENSION IN THE PERIOD OF SHIKARGAH ESTT

Shri Daji Shankar Rao I beg leave of the House to withdraw my cut motion

The motion was by leave of the House withdrawn

INCREASE IN THE CONTINGENCIES OF MINISTERS

Shri J Anand Rao Mr Speaker Sir I want my cut motion to be put to vote

Mr Speaker The question is

That the grant under Demand No 7 be reduced by Rs 100

The motion was negatived

EXTENSION IN THE PERIOD OF TEMPORARY ESTABLISHMENTS IN VARIOUS SECRETARIAT DEPARTMENTS

Mr Speaker Since Shri Ch Venkataram Rao is not present in the House I shall put his cut motion to vote The question is

That the grant under Demand No 7 be reduced by Rs 100

The motion was negatived

DEMAND NO 12—FAMINE

FAMINE CONDITIONS IN BHIR DISTRICT

श्री वामनराव देशमुख – स्पीकर सर मला बोलायला वेळ दिला गेला नाही मला वाटत होते की फक्त चारा पाणी आणि अन्न याचाच दुष्काळ आहे पण येथे सर वेळेचा सुद्धा दुष्काळ पडला आहे म्हणून मी माझी कटमोशन मताला टाकतो

Mr Speaker The question is

That the grant under Demand No 12 be reduced by Rs 100

The motion was negatived

FUNDS FOR FAMINE RELIEF

Shri Sripatrao Kadam I beg leave of the House to withdraw my cut motion

The motion was by leave of the House withdrawn

DEMAND NO 18—TERRITORIAL AND POLITICAL PENSIONS

Shri Annaguao Gavane I beg leave of the House to withdraw my cut motion

The motion was by leave of the House withdrawn

DEMAND NO 2 LAND REVENUE

GULBARGA DISTRICT ADMINISTRATION

Shri Sharangouda Inamdar I beg leave of the House to withdraw my cut motion

The motion was by leave of the House, withdrawn

DEMAND NO 12—FAMINE

FAMINE CONDITIONS IN GULBARGA DISTRICT

Shri Sharangouda Inamdar I beg leave of the House to withdraw my cut motion

The motion was by leave of the House withdrawn

Mr Speaker The question is

That the respective sums not exceeding the amount of of Rs 19 95 922 in respect of Further Demands Nos 2 7 12 and 18 be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1954 The Demands have the recommendation of the Rajpramukh

The motion was adopted

As directed by Mr Speaker the motions for Supplementary demands for grants as adopted by the House are reproduced below E D

SUPPLEMENTARY DEMAND No 2

That a sum not exceeding Rs 1 00 000 under Supplementary Demand No 2 be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1954 The Demand has the recommendation of the Rajpramukh

SUPPLEMENTARY DEMAND No 7

That a sum not exceeding Rs 1 00 422 under Supplementary Demand No 7 be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1954 The Demand has the recommendation of the Rajpramukh

SUPPLEMENTARY DEMAND No 12

That a sum not exceeding Rs 10 08 000 under Further Demand No 12 be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1954 The Demand has the recommendation of the Rajpramukh

SUPPLEMENTARY DEMAND No 18

That a sum not exceeding Rs 2 98 000 under Further Demand No 18 be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1954 The Demand has the recommendation of the Rajpramukh

Mr Speaker There are other Supplementary Demands The nature of which is practically the same as the further demands that were moved by the Chief Minister and were reserved for discussion on 30th Shall we take up these things now ?

Shri V D Deshpande The nature is not the same Last year they were charged items and we could not vote on them

Mr Speaker But the items are practically the same (Laughter)

Shri V D Deshpande But the nature is not the same

Mr Speaker I would take up these supplementary Demands which were treated as charged items last year but which have now been changed to votable items for discussion and voting on the 30th inst along with the Further Demands In the meantime if Members want to move motions for reduction of grants they may take them as stated previously

We shall now take up the other supplementary demands of the Supply Minister

(*The Minister for supply Agriculture Planning & Legislature*) *Dr Chenna Reddy* Mr Speaker Sir I beg to move

That a further sum not exceeding Rs 1 08 829 under Supplementary Demand No 7 be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the yeaar ending the 31st day of March 1958 The Demand has the recommendation of the Rajpramukh

Mr Speaker Motion moved

That a further sum not exceeding Rs 1 08 829 under Supplementary Demand No 7 be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1958 The Demand has the recommendation of the Rajpramukh

Dr Chenna Reddy I beg to move

That a further sum not exceeding Rs 21 89 956 under Supplementary Demand No 11 be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1958 The Demand has the recommendation of the Rajpramukh

Mr Speaker Motion moved

That a further sum not exceeding Rs 21 89 956 under Supplementary Demand No 11 be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1958 The Demand has the recommendation of the Rajpramukh

Dr Chenna Reddy I beg to move

That a further sum not exceeding Rs 4 29 000 under Supplementary Demand No 14 be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1958 The Demand has the recommendation of the Rajpramukh

Mr Speaker Motion moved

That a further sum not exceeding Rs 4 29 000 under Supplementary Demand No 14 be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1958 The Demand has the recommendation of the Rajpramukh

Mr Speaker I shall now take up the motions for reduction of grants

INCREASE IN THE FOOD SUPPLY

Shri B D Deshmukh (Bhokardan General) Sir I beg to move

That the grant under Demand No 11 be reduced by Rs 100

Mr Speaker Motion moved

That the grant under Demand No 11 be reduced by Rs 100

Dr Chenna Reddy Mr Speaker Sir I would like to mention that the motion for reduction of grant is not very clear This is a question of money already spent and I am at a loss to understand what useful purpose will be served by discussing about the increase in the food subsidy at this stage

Mr Speaker Let the hon Member say what he has got to say

سری بی ڈی دیسمکھ سسر ا سپکر آج ہمارے سامنے فوڈ سبسڈی
(Food Subsidy) کے سلسلہ میں سپلیمنٹری گرانٹ کے طور پر جو ڈیمانڈ آیا
ہے اوس کے بارے میں مجھے کچھ عرض کرنا ہے اصولاً جب کوئی گرانٹ یا سپلیمنٹری ڈیمانڈ
کے سلسلہ میں دکھائی ہے و اعتراض کا کوئی سوال پیدا نہیں ہوتا لیکن افسوس ہے کہ

ہماری گورنمنٹ علاوہ ... کے سلسلہ میں سبسڈی کے طور پر کروڑوں روپیہ منظور و خرچ کرتی ہے لیکن اس کے استعمال میں از حد لاپروائی اور غیر ذمہ دارانہ طریقہ پر عمل کیا جاتا ہے۔ یہ عمل آج ہی نہیں ہو رہا بلکہ زمانہ سے حیدرآباد کی حکومت کا یہی رویہ رہا۔ سابقہ حکومت نے بھی غلہ کے کاروبار کو ... کے ہاتھ میں دے کر سالانہ کئی کروڑ روپیہ کا نقصان ہوا۔ تو حکومت نے اس نقصان کو [illegible] کرنے کی حالیہ حکومت نے بھی ... لیے وقت کاروباریوں کے مفادات کو ... رکھنے کی کوشش کی اور عوامی ہٹ کا روپیہ اس طرح صرف کرنے کی کوشش کی جاتی ہے۔ مجھے حیرت ہوتی ہے کہ فوڈ سبسڈی کے لیے سنہ ۲ ... ء میں (۲۸۶) روپے بجٹ میں رکھے جاتے ہیں لیکن اس کا خرچ الکل غیر ذمہ دارانہ طریقہ پر کیا جاتا ہے۔ ہونا تو یہ چاہیے تھا کہ ذمہ دارانہ طریقہ پر اس کو خرچ کرکے اس کا باضابطہ حساب و کتاب اسمبلی میں پیش کیا جاتا۔ البتہ اگر اس میں تھوڑی کمی باقی ہو تو ایوان کو یہ ہاؤس برداشت کرسکتا ہے لیکن ہاؤس کے سامنے (۲۸۶) روپیہ بجٹ رکھا جاتا ہے کہ سنہ ۳ ... ء میں جبکہ (۳۸ ...) روپیہ خرچ ہوگئے لہٰذا اس کی تکمیل کے لیے یہ ساری ڈیمانڈ آتا ہے۔ اس سلسلہ میں یہ کہوں گا کہ ہیلتھ ڈپارٹمنٹ (Health Department) کی رقم میں ... بتلائی گئی ہے تعلیم کے لیے جو روپیہ بجٹ میں منظور ہوتا ہے وہ خرچ نہیں ہوتا۔ اگر کسی ڈپارٹمنٹ کا بجٹ بھی خرچ نہیں ہوتا۔ سوشل سروسز ڈپارٹمنٹ کے لیے جو ( ) لاکھ روپیہ رکھے جاتے ہیں وہ خرچ نہیں کیے جاتے لیکن فوڈ سبسڈی کے نام پر ہر سال جو رقم مانگی جاتی ہے اس میں دوگنا اضافہ کیا جاتا ہے۔ میں یہ کہوں گا کہ اس ہاؤس کا کوئی آنریبل ممبر اس غیر ذمہ دارانہ طریقہ پر سبسڈی کے مطالبہ کو ... نہیں کرسکتا۔ ممکن ہے کہ آنریبل منسٹر انچارج یہ کہیں کہ دوسرے معاملات سے اضافہ ... پر جو غلہ لایا گیا ہے اور ہمارے اس غلہ کی جو کمی ہے اس کو پورا کرنے کے لیے ہم کو اس میں اضافہ کرنا پڑ رہا ہے۔ اس لیے یہ (۳۸ ۸) کی رقم کی منظوری مانگی جا رہی ہے۔ جناب سپیکر اس سال کے آغاز میں سنہ ۲ ... ء میں جو بجٹ ... پیش کیا گیا تھا اور کہا گیا کہ فصلوں اور بارشوں کے قبل ہونے کے باوجود جوار، باجرہ اور گیہوں کی حد تک ملک خود مکتفی ہو گیا ہے۔ صرف چاول کی حد تک کچھ کمی ہے۔

جناب آنریبل منسٹر آف ... ہاؤس کی توجہ اس اینول رپورٹ (Annual Report) کی طرف مبذول کراؤں گا جو حیدرآباد گورنمنٹ کی جانب سے شائع کی گئی ہے۔ اس میں کہا گیا ہے اور بار بار ... طریقہ سے کہا گیا ہے کہ ہمارا ملک نہ صرف غلہ کی حد تک خود مکتفی ہو گیا ہے اور اپنی ضروریات کی تکمیل کر رہا ہے بلکہ سسٹر اسٹیٹس (Sister states) کو بھی (۸) ہزار ٹن جواری بھیجی گئی۔ میں پوچھتا ہوں اگر اس حد تک حد تک خود مکتفی ہونا بیان کرتے ہیں تو پھر یہ زائد خرچہ کیسے ہو رہا ہے؟ دوسری چیز یہ ہے کہ سنہ ۲ ... ء میں حکومت کی فوڈ پالیسی کے سلسلہ میں بہت بڑی تبدیلی آئی جس کے نتیجہ کے طور پر خرچ میں کمی ہونا

لازمی تھا کیونکہ ہمارے ملک سے ایسے حیدرآباد اور سکندرآباد کے کنٹرول رجاست
ہوگیا اور مارکٹ کھلا ہوگا غلہ کی ملازی کی حد تک ذمہ داری حکومت پر بھی اور
سے یہی حکومت سبکدوش ہوگی دوسری طرف عوام بھی ذمہ داری لادی گی
کہ سستا اناج مہیا کیا جائے کہ یہی ہو ایسے نظام ڈالیں اتنا ہونے کے باوجود اب
پھر (۴۸) لاکھ کا خرچ ہو رہا ہے آخر وہ پیسا کہاں گیا جب اس کا حساب میں
نے معلوم کرنے کی کوشش کی اور جہاں تک مجھ کو معلوم ہوا ہمارے سپلائی ڈپارٹمنٹ
میں اندھیر نگری چوپٹ راج چل رہا ہے اسکی ایک مثال میں ہاؤس کے سامنے پیش
کرونگا مجھے معلوم ہوا ہے (ممکن ہے کہ میری اطلاع غلط ہو) کہ (۴) لاکھ کا
جو گیہوں اس کے سے منگوایا گیا تھا وہ ناکارہ ثابت ہوا اس طرح (۱۴) لاکھ کا بار
ہوا ہے کیبنٹ کے سامنے بھی غالباً سپلائی منسٹر صاحب نے اس (۴) لاکھ کی بابت
پرپوزل پیش کیا ہے صرف حیدرآباد کے کاروبار کے متعلق نکتہ چینی بھی ہماری
حکومت میں اون کے سلسلہ میں بھی عام طور پر یہ اعتراض کیا جاتا ہے کہ آپ کا
سپلائی ڈپارٹمنٹ ایک عجیب و غریب طریقہ پر عمل کرتا ہے میں ہاؤس کے سامنے یہ
عرض بھی رکھنا چاہتا ہوں کہ ہمارے پاس کے ٹیکس اور ڈسٹری بیوشن کے ریٹ میں کیا
بڑا تفاوت ہے میں نے اس سلسلہ میں حکومت حیدرآباد کی رپورٹ کا مطالعہ
سے معلوم کرنے کی کوشش کی تو پتہ چلا کہ چاول کا ٹیکس ریٹ فی من (۸ ۱ ۲) روپیہ
ہے اور یہ رواٹرڈ ریٹ ہو ۲ ۲ ع کا اضافہ شدہ ریٹ ہے (۴)
روپیہ یعنی فی پلہ آٹھ روپیہ کنسیومر سے زائد لے جا رہے ہیں اور حکومت کو آٹھ روپیہ
فی من بچے ہیں جوار کے سلسلہ میں جب میں نے معلوم کرنے کی کوشش کی تو
معلوم ہوا کہ جوار پروکیورمنٹ ریٹ فی من (۴) روپیہ ہے لیکن کنسیومر کو
دیا جاتا ہے وہ (۸ ۱ ۲) روپیہ فی من کے حساب سے دیا جاتا ہے گویا پلہ میں سات
روپیہ کا منافع مل رہا ہے ہماری جوار کا پروکیورمنٹ ریٹ (Procurement Rate)
فی من (۸ ۸) روپیہ ہے کنسیومر کو جو دیا جاتا ہے (۲) فی من کے حساب سے
اس طرح معلوم ہوتا ہے کہ غذائی کاروبار میں حکومت کو غیر معمولی منافع حاصل
ہو رہا ہے ایسی ہی نہیں بلکہ جن پیداوار پر سپورٹنگ پرائس چلائے جاتے ہیں اور
جن کے متعلق کہا جاتا ہے کہ کے علاقوں میں دوکانات چلائی جاتی ہیں
اس لئے حساب میں یہ دوکانات چل رہی ہیں وہاں بھی پروکیورمنٹ ریٹ
(Procurement Rate) سے کم قیمت پر غلہ نہیں دیا جاتا بلکہ اس سے بھی
علاوہ میں جہاں سستے غلہ کی دوکان ہے مہنگی قیمت پر جوار دیا جاتا ہے حالانکہ
فی پلہ آپ کو آٹھ تو روپیہ منافع ملتا ہے ایک طرف سپلائی ڈپارٹمنٹ کے اسٹابلشمنٹ
کے لئے (۸) روپیہ مانگے جاتے ہیں بلکہ سپلیمنٹ کے طور پر بھی (۲ ۱) لاکھ
مانگے جاتے ہیں اور دوسری طرف غلہ کے معاملہ میں جس طرح کام کیا جانا چاہیے
نہیں کیا جاتا حکومت ایک طرف تو غلہ جمع کرنے اور سپلائی کرنے کی ذمہ داری
سے سبکدوش بھی ہوگئی ہے اور دوسری طرف بڑے پیمانہ پر ڈیمانڈ مانگے جاتے ہیں

پھر کیسے یہ تصور کیا جائے کہ ہماری حکومت فوڈ سبسڈی کے سلسلہ میں دس سبسڈی سے روپیہ خرچ کر رہی ہے ۔ صرف ایک بات البتہ ضرور کہی جاتی ہے کہ ہم نے (۸) ہزار ٹن جوار باہر بھیجی ۔ آنریبل منسٹر ایگریکلچر نے جنرل ڈسکشن کے دوران میں کہا تھا کہ ہمارے پاس چاول کا سرپلس ہے ۔ یہ میں مانتا ہوں کہ باہر سے چاول منگوایا جا رہا ہے لیکن بدقسمتی تو اس میں تھی کہ جو غلہ باہر بھیجا گیا اوس کے مبادلہ کے طور پر کنٹرول ریٹ پر چاول حاصل کرنے تا کہ جو غلہ یہاں خرچ کرنے کی کوشش کی جاتی ۔ اسکے برعکس یہ معلوم ہوا کہ لاکھوں کا جوار بھیج کر باہر سے چاول اور گیہوں منگوایا گیا ۔ میں کہونگا کہ یہ صحیح طریقہ نہیں آنریبل منسٹر کو اس طرف توجہ کرنی چاہیے

سپلیمنٹری گرانٹ کے سلسلہ میں جو صراحت کی گئی ہے وہ یہ ہے

The third item of Rs 21 89 956 is due chiefly to the increase in the food losses which are now expected to Rs 2 88 57 200 as against the budget estimate of Rs 12 85 719 Out of this excess of Rs 25 71 481 Rs 4 81 525 will be met by reappropriation of savings under other minor heads and the balance of Rs 21 89 956 is required as a supplementary grant

تو یہ گویا تخمینہ ہے ہمارے سپلائی ڈپارٹمنٹ کا ۔ یہ صرف (۲) لاکھ طلب کئے جا رہے ہیں بلکہ (۲) لاکھ کا سیونگس میں سے مطالبہ کیا جا رہا ہے ۔ ان حالات میں میں ہاؤز سے مطالبہ کرونگا کہ جو سپلیمنٹری ڈیمانڈ آ رہا ہے اوس پر غور کیا جائے اور ہاؤز کے سامنے جو رقم ہے اوسکی مخالفت کی جائے

شری وی ڈی دیشپانڈے ۔ میں کوئی تقریر نہیں کروں گا لیکن آنریبل منسٹر فار سپلائی سے میں یہ معلوم کرنا چاہوں کہ بجٹ کے اندر جو (۳۸) لاکھ کی رقم فوڈ سبسڈی کے لئے رکھی گئی ہے اوس کے سوا کہیں بھی کسی رپورٹ میں تفصیلات نہیں ہیں کہ یہ (۳۸) لاکھ کی ضرورت کس وجہ سے پڑی ۔ کیا اس کی وجہ یہ ہے کہ چاول جیسی جنس پر خرچ ہوا گیا اوس سے کم قیمت پر عوام کو فروخت ہوا جس کی وجہ سے ڈیفیسٹ (Deficit) ہو جاتا ہے ۔ پہلے یہ سبسڈی حکومت نہ دیتی تھی لیکن اب ہم یہ (۳۸) لاکھ سبسڈی دے رہے ہیں تو میں اس کی تفصیلات معلوم کرنا چاہتا ہوں کہ یہ رقم کیسے خرچ کی جائیگی ۔ پچھلے سال موسموں میں اضافہ ہوا اس کی وجہ سے اس کمی کو کیسے پورا کیا گیا اور کنٹرول کے برخاست ہونے سے جو سیونگس (Savings) ہوئی وہ کیا تھی کیس اس کی تفصیلات ہاوز کے سامنے لائے ضروری ہیں ۔ آنریبل منسٹر نے وعدہ کیا تھا کہ اسی اجلاس میں یہ ہوا کریں گی اور ہاوز کے اس جانب کے لوگوں نے اس واقعہ پر واک اوٹ (Walkout) بھی کیا تھا کہ تفصیلات نہیں بتلائی جاتیں ۔ اس لئے مجھے یہ کہنا ہے کہ سبسڈی کے بارے میں جو نئے آئٹمس (New Items) رکھے گئے ہیں اون کی تفصیلات ملنی چاہیے

آمدنی آم ہو اسسٹنٹ رجسٹرار کا ہے اوس کی تفصیل بھی ہم کو ملنی چاہیے تاکہ ہم معلوم
کرسکیں کہ کس وجہ سے خسارہ اور نقصان ہوا ہے کسی آمدنی میں کمی ہوئی
اگر اس قسم کی تفصیلات نہ دی جاسکیں تو میں نہیں سمجھتا کہ رقم منظور کی جائے
اس سائڈ (Side) کے ہوں یا اوس سائڈ کے ہوں کوئی رائے دے سکیں گے
ہوسکتا ہے ہمارا خیال تھا کہ سمجھا جائے گا کہ ہم نے زیادہ گیہوں دوسری طرف رکھ دیا
کی کافی ذمہ داریاں کم ہوگئی ہیں اس لیے اس میں جب نہیں رکھ سکتے تھا اور ڈیمانڈ
کو پورا کرنا ممکن تھا لیکن ایسا نہیں ہوا بلکہ دیر ہو کر اب (۳) لاکھ
روپیہ ہو گیا ہے جب اتنا بڑا ہم کو خرچ کرنا پڑ رہا ہے تو ہم کو یہ بھی دیکھنا
ہے کس کی غلطی ہے یہ نقصان ہوا اون کے علاوہ ایک سکیم ہاؤس میں کہی گئی
کہ ہے گیہوں میں (۳) لاکھ کا نقصان ہو گیا ہے تو ہم منسٹر صاحب
کی کارکردگی پر ایک بہت بڑا دھبہ سمجھا جائے گا اس لیے میں منسٹر صاحب سے
کہوں گا کہ وہ ان کی تفصیلات پیش کریں تاکہ ہم اس کے متعلق کوئی رائے
قائم کرسکیں

ڈاکٹر سعادت علی مسٹر اسپیکر سر میرے جو مسلسل دو تین ہاؤس کے سامنے
ہیں وہ مختصر ہیں میں سپلائی ڈیپارٹمنٹ کے متعلق دو روز میں جو ذکر کیا گیا ہے میں
اوس کے متعلق تفصیلات عرض کرونگا اگر اوس پر ریلسٹک ویو (Realistic View)
سے غور کیا جائے تو غیرجانبدارانہ طور پر سکیں دھبہ ہے پر لگنے کے متعلق جو کہا گیا
اوسکی تصحیح آنریبل ممبر فرماسکینگے سب سے پہلے تو مجھے فوڈ سبسیڈی کے متعلق
عرض کرنا ہے میرے ایک دوست نے یہ فرمایا کہ سپلائی ڈپارٹمنٹ (Supply
Department) غیر ذمہ دارانہ طریقہ پر عمل کر رہا ہے اور اس رقم کو بھی
غیر ذمہ دارانہ طریقہ پر استعمال کرے گا جس غیر ذمہ دارانہ طریقہ سے ہمارے دوست
شری دیشمکھ نے ان الفاظ کو استعمال کیا ہے میں اون کو استعمال کرنا موزوں نہیں
سمجھتا ہوں ممکن ہے کہ انہوں نے ناکافی معلومات کو سامنے رکھ کر غلط فہمی میں
کہدیا ہو کہ سپلائی ڈپارٹمنٹ غیر ذمہ دارانہ طریقہ سے کام کر رہا ہے یہ بھی ممکن
ہے کہ انہیں محسوس ہو کہ حوالہ دیا ہوں نے ایسا کہدیا گزشتہ سال جب میں
ناگپور گیا تھا تو وہاں کے ایک بزرگ اور اسٹیٹ کے بڑے وزیر (السنہ وہ کانگریس میں)
شری سکلا جب اون سے اس سلسلہ میں بات چیت ہوئی تو انہوں نے کہا کہ آپ تو
مارواڑی سے بھی بڑھ گئے گزشتہ سال ہم نے ان سے جوار حاصل کی تھی میں یہ ضرور
عرض ( ) کے ساتھ عرض کرنا چاہتا ہوں کہ ہم غلہ کے معاملہ میں
جس احتیاط سے کام لیتے ہیں شاید پورے ہندوستان میں بھی ایسی احتیاط نہیں کی جاتی
خصوصیات کے ساتھ جہاں غلہ کے سلسلہ میں احتیاط کی جاتی ہے اوس کا ریفرکشن
ٹیسٹ (Refraction Test) کیا جاتا ہے اور جہاں کہیں سے اناج
حاصل کیا جاتا ہے اوس کے متعلق سائنٹفک اپریٹس (Scientific Apparatus)
وغیرہ سے ٹیسٹ (Test) کرکے غلہ حاصل کیا جاتا ہے اس لیے یہ کہنا

کہ حیدرآباد کا سپلائی ڈپارٹمنٹ کافی احتیاط کے ساتھ کام نہیں کر رہا ہے جس کی وجہ سے نقصان ہو رہا ہے خاطر خواہ اور ناکافی معلومات پر مبنی ہے میں آنریبل لیڈر آف دی اپوزیشن (hon Leader of the Opposition) کے اس خیال سے متفق ہوں کہ اخراجات وغیرہ کے متعلق پورے تفصیلات اور پورا پکچر (Picture) ہاوز کے سامنے آنا چاہئے کیونکہ اس کی وجہ سے جو کچھ سامنے ہوئے ہیں اون میں خود بخود کمی واقع ہوگی آنریبل لیڈر آف دی ہاوز نے فرمایا ہے کہ بعد سے اس کا انتظام کیا جائیگا میں سمجھتا ہوں کہ اون کے کہنے کے بعد جو وعدہ کیا گیا وہ اس قدر کم ہے (صرف بعد سے) کہ اس پر بھی عمل کرنا ممکن نہیں ہے میں واقعی اس پر افسوس کرتا ہوں کہ جیسے معلومات ہاوز کو ملنے چاہئیں نہیں ملے میں اپنے ڈپارٹمنٹ کی حد تک خاص طور پر اس بات کی کوشش کرونگا کہ اس سلسلہ میں پورا پکچر ہاوز کے سامنے رکھا جائے

دوسری چیز یہ ہے کہ جو نقصان ہم پر عائد ہوا اوس کی وجہ میں آنریبل ممبرس آف دی ہاوز (hon Members of the House) کو یاد دلانا چاہتا ہوں وہ یہ ہے کہ اوس زمانے میں ہم صرف دو اونس چاول دے رہے تھے لیکن یہ مقدار ناکافی تھی اس لیے اس بات کی کوشش کی گئی کہ زیادہ چاول دیا جائے چاہے آپ اس کو فیاضانہ پالیسی کہئے میں اس کے ایڈجکٹیوز (Adjectives) میں جانے کی ضرورت نہیں سمجھتا۔ اس کے علاوہ حکومت حیدرآباد نے بعض مقامات پر راشنگ کو برخاست کردیا اگرچہ کہ وہ مقامات بظاہر تعداد میں بہت تھے لیکن فی الحقیقت وہ راشنگ آبادی کا (۲) پرسنٹ بھی نہیں تھا اسکے برعکس (۳) سو پرسنٹ چاول کے کوٹہ میں اضافہ کی ضرورت تھی۔ اس طرح چاول کی وجہ سے ہمارے ڈپارٹمنٹ کو نقصان برداشت کرنا پڑا۔ جہاں تک جو چاول ہم نے منگوایا وہ (۳) روپیہ آٹھ آنے فی من ملا۔ میں ہاوز کو یہ یاد دلانا چاہتا ہوں کہ مجبوراً حکومت کو یہ برداشت کرنا پڑا۔ مدھیہ پردیش اور مدراس ( ) وغیرہ سے جہاں سستی اس قدر زیادہ نہیں ہیں چاول کی پوری مقدار ملنا مشکل تھا۔ اس حد تک جو نقصان ہوا وہ آپ کے سامنے ہے

جوار کی حد تک میں ہاوز کو پوری ذمہ داری کے ساتھ اس کا یقین دلانا چاہتا ہوں کہ اس میں ایک پائی کا بھی نقصان نہیں ہوا کیونکہ ہم نے جو جوار باہر بھیجی ہے اوس کی قیمت میں پروکیورمنٹ چارجس (Procurement Charges) اور اسٹابلشمنٹ چارجس (Establishment charges) بھی لگائے گئے تھے ہماری حکومت نے اپنی لاسی ہلانے کے لیے خود کا نقصان کرلیکر نہیں دیا ہے ہمیں اس کا احساس ہے کہ چیاریٹی بگنس ایٹ ہوم (Charity begins at home) کو ہمارے ٹریڈیشنل چیریٹیز (Traditional Charities) ہیں اور میں سمجھتا ہوں آنریبل ممبرس آف دی اپوزیشن بھی جو اس کو سمجھ سکتے ہیں لیکن اس حد تک ہم نے ان روایات کا دخل نہیں رکھا ہے

گم کے بارے میں کہا گیا کہ اچھا ہوا کہ مرکز اور ریل وغیرہ سے
کردیا انہوں نے کی مصیبت میں لے کی کوشش کی ابھی بارش اور
دعا ہوں ہے اکہ میں نے جلے میں کہا ہے کہ وہ پوری معلومات ہاؤس کے سامنے
پیش کی ہیں جس کا آنا بے حد باعث ہوتا ہے ماننے اور بارے میں بھی عرض کرنا چاہتا
ہوں جس وقت مسئلہ ہو ع میں گیہوں امپورٹ (Import) کیا
گیا اس وقت بارے میں ایک بحث بڑی ہی ہوا ہے کہ چاہتی ہی کہ
اس وقت حساب سے ہی وہ اپنی اناج کی جس کو بھی سے پورا مل سکے اصل کرلیا
جائے ع میں گورنمنٹ میں آنے کے بعد میں نے دیکھا کہ بہت زیادہ ہو رہی ہیں
اسی وقت فوڈ سبسڈی (Food subsidy) دی گئی تھی اس وقت امر کہ
یہ نقصان میں ہم لاکھوں روپے اناج جس کی قیمت لی کروڑ روپیہ ہوتی ہے سرکار
گورنمنٹ کے گودام میں جس وجوہات حاصل کیا گیا گر اس کو نقصان نا ہو
احتیاطی لا فاضل کھانا ہے وہ میں اس کا جواب دینے سے قاصر ہوں مقدار
میں اس وقت ۲ ہزار ٹن کا اسٹاک (Stock) تھا وہ ستمبر کا مہینہ (۲)
ہزار ٹن دے کا وعدہ تھا مقدار کا ذخیرہ کرنا تھا ( )ہزار ٹن گیہوں کا ہمیں
مطالبہ تھا ہمارے پاس پرانا اناج بھی تھا فوڈ سبسڈی دیئے پر بحث میں
نے اس کو ویلکم (Welcome) کیا اور ہمارے بعض دوستوں کو حیرت ہوئی جہاں
خود بیں ہیں اوا بگی ہوئی انہوں نے مجھ سے پوچھا تھا لیکن آج وہ بھی قائل
ہیں صورت یہ ہے کہ ہم گیہوں کے لگانے کی ضرورت نہیں رہی مارچ کے بعد سے
ہم گیہوں کا ایک دانہ بھی نہیں لگا رہے ہیں اس کا آف ٹیک (Off take)
بھی گر گیا ہے اور کی مقدار جہاں (۳) ہزار ٹن فی مہینہ تھی اب ہزار چار سو ہو گئی
ہے اس کو بھی ہم ہی بہتر نہیں سمجھتے ہیں گورنمنٹ آف انڈیا سے جو ملتا تھا ہمیں
اس کو بھی انکار کر دیا۔ فوڈ کی مقدار میں اضافہ کر کے ہم نے ہزار ٹن کی جائے
۲ ہزار ٹن فوڈ کا اس کے بعد ہم دیکھ رہے ہیں کہ گیہوں کا آف ٹیک نہیں
ہو رہا ہے اس لیے اس کی بہت قسم (Varieties) کر دیگئیں
جانے یہ ہوتا تھا کہ لوکل ورائٹی (Local Variety) کا ریٹ بھی ۳
روپیہ تھا ریڈ ورائٹی (Red Variety) کا بھی ۳ روپیہ اور
وائیٹ ورائٹی (White Variety) کا ریٹ بھی ۳ روپیہ تھا
اسکا نتیجہ ہوتا تھا کہ ریڈ ورائٹی گوداموں میں پڑی رہی تھی ہم نے اسکی قیمت
کم کر دی اور لوکل ورائٹی کی سب جس کی بہت مانگ ہے وہ روپیہ فی پلہ کر دی گئی
اس طرح اڈجسٹمنٹ (Adjustment) کیا گیا اسکے کا بھی سوال
تھا ہم نے ایک کاروائی کی طرح اس کے لیے بھی کوشش کی دوسرے اسٹیٹس میں
اس سلسلے میں لاکھوں روپیوں کا نقصان ہوا لیکن حیدرآباد میں اس کا اوسط کم ہو
اگر اس طرح پبلک کا کوئی نقصان ہوا ہے تو میں سلاس منسٹر کی حیثیت سے اپنے آپ کو
گلٹی (Guilty) تسلیم کرنے اور ہاؤس کے سامنے سرخم کرنے کے لیے تیار ہوں
مجھے افسوس ہے کہ آنریبل ممبروں کے سامنے پورے واقعات نہیں آئے ہیں

Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1958

The motion was adopted

(As directed by Mr Speaker the motions for Supplementary Demands for grants as adopted by the House are reproduced below—D D)

DEMAND No 7— ELECTION CHARGES AND LEGISLATIVE ASSEMBLY

That a sum not exceeding Rs 1 08 829 under Demand No 7 (Election Charges and Legislative Assembly) be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1958

DEMAND No 11—FOOD SUBSIDY

That a sum not exceeding Rs 21 89 956 under Demand No 11 (Food Subsidy) be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1958

DEMAND No 14—68 B COMMUNITY DEVELOPMENT PROJECTS

That a sum not exceeding Rs 4 29 000 under Demand No 14 (68 B Community Development Projects) be granted to the Rajpramukh to defray the several charges that would come for payment during the course of the year ending the 31st day of March 1958

Shri V D Deshpande Before the House adjourns for the day I want to bring to the notice of the House Rule 170 of the Hyderabad Legislative Assembly Rules which runs

When a demand or any part of it relates to any new scheme or revision of scales of pay or allowances or creation of a new appointment all material details of such scheme or revision or appointment shall save in special circumstances be supplied to all Members at least three clear days before the demand is made

میرا اصرار یہی کہ رول (Three clear days) کے بارے میں ہے
یہ اسکیات اور نئے اپارے میں اور ان میں (Appointments)
کے بارے میں مفصلات جن دیئے نہیں روہرن اب دی اسکیل ان کے اسد الوتسی

کے بارے میں ہمارے سامنے [illegible] آئے ہیں [illegible] اس کے متعلق پورا
مواد ہاؤس کے سامنے آئے تاکہ معاملات واضح کرنے کی [illegible]
اور اس کی روشنی میں ہم [illegible] اور اس کے بعد [illegible]
محسوس کریں [illegible] واچ ڈاگ (Watch dog) [illegible] ہم
عوام کے [illegible] چیک (Check) [illegible]

Mr Speaker Of course the details as far as possible will be supplied

Shri V D Deshpande All material details the words are very clear in the rule

At 7 48 p m the house then adjourned till Three of the Clock on Friday the 27th day of March 1958